हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 363, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 26 जून, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

बीजेपी लोकतंत्र का गला घोंट रही, तो इन प्रदेशों में कैसे बन गई सरकार : राजनाथ

बोले केंद्रीय मंत्री- विपक्षी दल केवल आलोचना तक सीमित रह गए हैं

आगरा। मोदी सरकार के नौ वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित किए जा रहे महाजनसंपर्क अभियान के आखिरी चरण में भाजपा ने घर-घर संपर्क अभियान की तैयारी कर ली है। इसी के तहत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार की सुबह आगरा पहुंचे। उनकी पहली जनसभा फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र के कागारौल में हुई। यहां उन्होंने कहा कि आज 25 जून का दिन है। इसी दिन 1975 में आपातकाल लगाया गया था और लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया था। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी लोकतंत्र का गला घोंट रही

है तो हिमाचल, कर्नाटक, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकार कैसे बन गई। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की जनसभा को लेकर शनिवार को जीआईसी मैदान में भूमि पूजन कराया गया था। कागारौल के किदवई इंटर कॉलेज मैदान में होने वाली जनसभा के लिए कमिश्नर डॉ. प्रीतिंदर व अन्य अधिकारियों ने मुआयना भी किया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने कहा कि रक्षा मंत्री संगठन के साथ ही प्रदेश का नेतृत्व भी कर चुके हैं। उनके आगमन को लेकर कार्यकताओं में उत्साह चरम पर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्षी दल केवल आलोचना तक सीमित रह गए है। भाजपा ने जनता का विश्वास जीता है। यही कारण है कि अब विपक्षी दल एकजुट होने का दिखावा कर रहे हैं, लेकिन आगामी चुनाव में विपक्ष का पूरी तरह सफाया हो जाएगा। इस दौरान कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, महानगर अध्यक्ष भानु महाजन, जीएस धर्मेश, अशफाक सैफी, निर्मला दीक्षित, हेमेंद्र शर्मा, डॉ. यादवेंद्र शर्मा, हेमंत भोजवानी, नवीन गौतम, गौरव शर्मा, सुनील कर्मचंदानी आदि मौजूद रहे।

कल से एक जुलाई तक यूपी में 'बिजली खोजो अभियान' चलाएगी आप

लखनऊ। यूपी में बिजली कटौती को लेकर आम आदमी पार्टी कल सोमवार से पूरे प्रदेश में बिजली खोजो अभियान चलाएगी और दो जुलाई को प्रदेश भर में लालटेन जुलूस निकालेगी। आम आदमी पार्टी के सांसद व नेता संजय सिंह ने रविवार को लखनऊ में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि हम बिजली कटौती को लेकर आंदोलन करेंगे। आम लोगों के लिए एक नंबर जारी किया जाएगा और उनसे अपील की जाएगी कि उनके क्षेत्र में कितनी देर बिजली आ रही है इसे लेकर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालें और सीएम व पीएम को टैग करें। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी केंद्र की ओर से लाए जा रहे विद्युत उपभोक्ता अधिकार अधिनियम में संशोधन का भी विरोध करेगी। इसके तहत रात में बिजली की दरें 20 फीसदी तक महंगी करने की तैयारी है। आप यूपी में भी बिजली दरो में वृद्धि करने के प्रस्ताव का भी विरोध करेगी। सांसद संजय सिंह ने कहा कि केंद्र और यूपी के बीच खींचतान के कारण यूपी की जनता भुगत रही है। मंत्री की एमडी और एमडी की मंत्री नहीं सुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से सीखना चाहिए। दिल्ली में 24 घंटे मुफ्त बिजली दी जा रही है।

नवी मुंबई में घरों के बाहर लगे पीएफआई समर्थक पोस्टर, दरवाजों पर बांधे पटाखे, पुलिस जांच में जुटी

मुंबई। मुंबई में अज्ञात लोगों द्वारा कुछ घरों के बाहर पीएफआई के समर्थन में पोस्टर लगाने और पटाखे बांधने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने पीएफआई समर्थक पोस्टरों और पटाखों को जब्त कर लिया है। पोस्टरों पर 'पीएफआई जिंदाबाद' और '786' लिखा हुआ है। खबर के अनुसार, नवी मुंबई के न्यू पनवेल इलाके में कुछ अज्ञात लोगों ने हरी स्याही से 'पीएफआई जिंदाबाद' और '786' लिखकर पोस्टर कुछ घरों के दरवाजों पर चिपका दिए। पोस्टरों के साथ ही आरोपियों ने पटाखे भी घरों के बाहर बांध दिए। घटना शनिवार की है। शिकायत पर खांडेश्वर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आईपीसी की धारा 153(ए) (दो समूहों के बीच धर्म, नस्ल, जन्मस्थान और आवासीय स्थान के आधार पर वैमनस्यता फैलाने) के तहत आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस मामले में पुलिस ने अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है। बता दें कि बीते साल सितंबर में केंद्र सरकार ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और इसके कई सहयोगी संगठनों पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। केंद्र सरकार ने यूएपीए एक्ट के तहत यह कार्रवाई की थी। पीएफआई पर आरोप लगे कि इसके संबंध अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन आईएसआईएस के साथ हैं।

काहिरा में अल-हकीम मस्जिद पहुंचे पीएम मोदी, कहा- यह मिस्र की समृद्ध विरासत और संस्कृति का गहरा प्रमाण है

काहिरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मिस्र की राजधानी काहिरा में हेलियोपोलिस युद्ध कब्रिस्तान का दौरा किया और प्रथम विश्व युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी अल-हकीम मस्जिद भी गए। अल-हकीम मस्जिद काहिरा में 11वीं सदी का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है। यह मस्जिद भारत और मिस्र द्वारा साझा की गई समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रमाण के रूप में खड़ी है। पीएम मोदी की यात्रा का महत्व अल-हकीम मस्जिद का उल्लेखनीय जीर्णोद्धार है, जो दाऊदी बोहरा समुदाय के अटूट समर्पण और समर्थन के माध्यम से संभव हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि काहिरा में ऐतिहासिक अल-हकीम मस्जिद का दौरा करके सम्मानित महसूस हुआ। यह मिस्र की समृद्ध विरासत और संस्कृति का एक गहरा प्रमाण है। भारतीय प्रवासी समुदाय के बोहरा समुदाय के सदस्य शुजाउद्दीन शब्बीर तांबावाला, जो आज अल-हकीम मस्जिद में मौजूद थे, जब पीएम मोदी वहां गए थे, कहते हैं, "यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि पीएम मोदी आज यहां आए थे। उन्होंने हमारे साथ बातचीत भी की। उन्होंने हमारे बोहरा समुदाय की

भलाई के बारे में भी पूछा और जब उन्होंने हमारे साथ बातचीत की तो हमें एक परिवार की तरह महसूस हुआ।" पीएम मोदी ने मिस्र के काहिरा में हेलियोपोलिस युद्ध कब्रिस्तान का भी दौरा किया। यहां उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने मिस्र के राष्ट्रपति अल-सिसी से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मिस्र स्वेज नहर के पास आर्थिक क्षेत्र बना रहा है। भारत ने भी वहां एक विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। उम्मीद की जा रही है कि इस बारे में भी दोनों देशों के बीच सहमति बनेगी। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने काहिरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'ऑर्डर ऑफ द नाइल' पुरस्कार से सम्मानित किया। 'ऑर्डर ऑफ द नाइल', मिस्र का सर्वोच्च राजकीय सम्मान है। बता दें, पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को मिस्र पहुंचे। मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबाउली ने उनका काहिरा एयरपोर्ट पर स्वागत किया। 1997 के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की मिस्र की यह पहली राजकीय यात्रा है। भारत पश्चिमी एशिया और अफ्रीका में अपने रिश्तों को नए सिरे से मजबूत करने में जुटा हुआ है, जिसके चलते यह यात्रा उसके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अल-सिसी जब जनवरी, 2023 में भारत आए थे, तब दोनों देशों ने एक-दूसरे को रणनीतिक साझेदार घोषित किया था। काहिरा पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि भारत व मिस्र के रिश्ते और मजबूत होंगे।

'देश के इतिहास में आपातकाल को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा' : पीएम मोदी

नई दिल्ली। देश में आपातकाल लगाए जाने के 48 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने उन लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया था। पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि 'मैं उन लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया और देश में लोकतंत्र की भावना को मजबूत करने के लिए काम किया। आपातकाल हमारे देश के इतिहास का कभी ना भूला जा सकने वाला समय है, जो संविधान के मूल्यों के पूरी तरह खिलाफ है।' बता दें कि पीएम मोदी फिलहाल मिस्त्र के दौरे पर हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी आपातकाल को याद करते हुए ट्वीट किया है। ट्वीट में नड्डा ने लिखा कि '25 जून 1975 को एक परिवार ने अपने तानाशाही रवैये के कारण देश के महान लोकतंत्र की हत्या की और आपातकाल जैसा कलंक थोपा था।

जिसकी निर्दयता ने सैकड़ों वर्षों के विदेशी शासन के अत्याचार को भी पीछे छोड़ दिया। ऐसे कठिन समय में असीम यातनाएं सहकर लोकतंत्र की स्थापना के लिए संघर्ष करने वाले सभी राष्ट्र भक्तों को नमन करता हूं'। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आपातकाल के मुद्दे पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि 'कांग्रेस पार्टी ने 1975 में देश में आपातकाल लागू कर दिया था। कांग्रेस पार्टी ने एक परिवार के लिए देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन किया। देश में संविधान को सस्पेंड करने के विरोध में आज का दिन काले दिन के रूप में मनाया जाता है। आज के युवाओं को भी याद रखना चाहिए कि कांग्रेस देश के लिए कितनी खतरनाक है।' बता दें कि इंदिरा गांधी की सरकार में 25 जून 1975 को देश में इमरजेंसी लागू की थी। यह इमरजेंसी 21 महीने यानी 21 मार्च 1977 तक चली। इंदिरा गांधी ने संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए देश में आपातकाल लागू किया था।

गजरौला में दिनदहाड़े घर में घुसकर विवाहिता की हत्या, सिर में गोली मारकर गहने लूट ले गए बदमाश

अमरोहा। गजरौला में दिनदहाड़े एक विवाहिता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। स्वजन का आरोप है कि यह घटना बदमाशों ने की है और सोने चांदी के आभूषण में भी लूटे गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक आसपास के थाना फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। खल कारोबारी नरेंद्र सिंह का मकान बना हुआ। यहां पर उनका पुत्र अमित व 30 वर्षीय पुत्रवधु कोमल व प्रति राधा रहते हैं। रविवार की दोपहर करीब बजे बजे नरेंद्र अपनी दुकान पर थे। अमित अपने गांव मीरपुर गए थे। सास खाद गुजर चौराहे पर स्थित दूसरे मकान पर थीं और गंगानगर में कोमल अकेली थी। इसके बाद सास घर पहुंचे तो मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था। पड़ोसी की छत से होकर अंदर पहुंच कर देखा तो एक कमरे में कोमल का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। सिर पर गोली मारी गई थी। उसके बराबर वाले कमरे में सामान बिखरा पड़ा था। ऐसे में अंदेशा जताया जा रहा है कि छत के रास्ते ही बदमाश आए और उन्होंने लूटपाट करते हुए कोमल की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही कोमल के मायके वाले भी मौके पर पहुंच गए। कुछ देर बाद पुलिस अधीक्षक

आदित्य लंहगे, अपर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार समेत आसपास के थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। हंगामे की आशंका को देखते हुए पुलिस ने कोमल के शव को सरकारी अस्पताल से सीधा पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया। कोमल की मां गीता देवी ने लूट के बाद हत्या करने की बात कही है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अरुण सिंह ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है।

अमेरिका से महंगे ड्रोन्स खरीदने की बात गलत, सरकार ने बयान जारी कर कहा- अभी कीमत तय होना बाकी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका दौरे पर एमक्यू-9बी ड्रोन्स खरीद के सौदे पर अंतिम मुहर लगी है। हालांकि सोशल मीडिया पर कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि सरकार ने महंगे दाम पर यह ड्रोन्स डील की है। हालांकि अब सरकार ने इन खबरों को गलत बताकर खारिज कर दिया है और बताया है कि अभी ड्रोन्स की कीमतें तय होनी बाकी हैं। सरकार ने कहा कि ऐसी रिपोर्ट्स फैलाकर ड्रोन्स अधिग्रहण के सौदे को ना होने देने की कोशिश की जा रही है। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 31 एमक्यू-9बी ड्रोन्स खरीदने के सौदे को मंजूरी दी थी। इस सौदे के तहत 16 हवा में नजर रखने वाले ड्रोन्स और 15 समुद्र में नजर रखने वाले ड्रोन्स खरीदे जाने हैं। तीनों सेनाओं के लिए इन ड्रोन्स की खरीददारी की जाएगी। इस सौदे की अमेरिकी सरकार ने अनुमानित कीमत 3,072 मिलियन यूएस

डॉलर बताई है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अमेरिकी सरकार से पॉलिसी को मंजूरी के बाद ड्रोन्स की कीमतों में मोलभाव किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह देखा जाएगा कि जनरल एटोमिक्स ने अन्य देशों को किस कीमत पर ड्रोन्स बेचे हैं। उसके बाद कीमत को लेकर मोलभाव किया जाएगा। बता दें कि सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी खबरें चल रही हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि भारत सरकार ने महंगे दाम पर एमक्यू-9बी ड्रोन्स की डील की है। अब सरकार ने इससे इनकार कर दिया है और इन रिपोर्ट्स को भ्रामक बताया है। सरकार ने लोगों से भ्रामक खबरों को बढ़ावा ना देने की अपील की है और कहा है कि इससे हमारे सुरक्षा बलों के मनोबल पर गलत असर पड़ेगा। एमक्यू-9बी रीपर या प्रीडेटर ड्रोन की सबसे बड़ी खासियत ये है कि ये ड्रोन 40 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर करीब 40 घंटे तक उड़ान भर सकता है। यह ड्रोन सर्विलांस और हमले के लिहाज से बेहतरीन है और हवा से जमीन पर सटीक हमले करने में सक्षम हैं।

मणिपुर हिंसा पर राम गोपाल यादव का केंद्र सरकार पर हमला, बोले- राष्ट्रपति शासन लगाया जाए

मैनपुरी। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। हिंसा के मद्देनजर, कई जिलों में कर्फ्यू लगा हुआ है। सरकार ने शांति बहाली के लिए सेना को मोर्चे पर लगा दिया है। वहीं शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली संसद भवन में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें भाजपा, आप, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और वाम दलों सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लिया। बैठक के बारे में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद राम गोपाल यादव ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मणिपुर में पिछले 50 दिनों से हालात सबसे खराब हैं। महिलाएं, बच्चे सभी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। सर्वदलीय बैठक में सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि 'मणिपुर में पिछले 50 दिनों से हालात सबसे खराब हैं। महिलाएं, बच्चे सभी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मुताबिक, स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन अभी भी घर जल रहे हैं और सड़कें जाम हो रही हैं। मैंने बैठक में मांग की है कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। जितनी जल्दी हो सके राज्य में एक बार फिर से शांति बहाल की जाए।'

राममंदिर के लिए विदेशी भक्त भी कर सकेंगे दान, अभी दान पात्र से ही हर महीने मिल रहे 60-70 लाख रुपये

अयोध्या। विदेश में रहने वाले रामभक्त भी अब जल्द ही राममंदिर निर्माण के लिए निधि समर्पण कर पाएंगे। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट नवंबर तक विदेशी दान लेने में सक्षम हो जाएगा। ट्रस्ट की ओर से एफसीआरए में पंजीकरण का आवेदन पहले ही किया जा चुका है। ट्रस्ट ने राममंदिर निर्माण के लिए वर्ष 2021 में निधि समर्पण अभियान चलाया था। पूरे देश में चले इस अभियान में मंदिर निर्माण के लिए रामभक्तों ने करीब 3500 करोड़ का दान किया था।

उस समय विदेशी रामभक्त मंदिर निर्माण के लिए निधि समर्पण नहीं कर पाए थे, क्योंकि ट्रस्ट विदेशी दान लेने में सक्षम नहीं था। जब तक गृहमंत्रालय की ओर से ट्रस्ट का पंजीकरण एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) के तहत नहीं हो जाता, तब तक ट्रस्ट विदेशी श्रद्धालुओं से सहयोग राशि स्वीकार करने में असमर्थ है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता बताते हैं कि आए दिन विदेशी भक्तों का फोन निधि समर्पण करने की मंशा से आता है, लेकिन जब उन्हें मना किया जाता है तब वे निराश

हो जाते हैं। बताया कि अब विदेशों में रहने वाले रामभक्तों को जल्द ही निधि समर्पण करने की सुविधा मिल सकेगी। ट्रस्ट ने एफसीआरए में पंजीकरण के लिए आवेदन कर दिया है, उम्मीद है कि नवंबर तक पंजीकरण हो जाएगा। पंजीकरण होते हुए भक्त राममंदिर के लिए अपना अंशदान दे सकेंगे। बताया कि इसके लिए नई दिल्ली स्थित स्टेट बैंक पार्लियामेंट स्ट्रीट शाखा में खाता भी खोला जा चुका है। विदेशी दान इस खाते में स्वीकार किया जाएगा।

हर माह आ रहा करीब 1.5 करोड़ दान- श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने बताया कि मंदिर निर्माण के लिए हर माह करीब 1.5 करोड़ का दान आ रहा है। बताया कि गर्भगृह में रखे दानपात्र से हर माह औसतन 60 से 70 लाख का चढ़ावा प्राप्त हो रहा है। इसी तरह ट्रस्ट कार्यालय व दर्शनमार्ग पर बने काउंटर पर हर करीब डेढ़ से दो लाख की नकदी आ रही है। ऑनलाइन माध्यमों सहित चेक, आरटीजीएस के जरिए भी भक्त दिल खोलकर दान दे रहे हैं। इसके अलावा भारी मात्रा में सोने-चांदी का दान भी भक्तों द्वारा किया जाता है।

मुंबई के घाटकोपर में भारी बारिश के चलते गिरी इमारत, चार लोग सुरक्षित निकाले गए, दो फंसे

मुंबई। मुंबई में मानसून के दस्तक देते ही भारी बारिश का दौर शुरू हो गया है। शनिवार रात से हो रही भारी बारिश के चलते मुंबई के घाटकोपर इलाके में एक रिहायशी इमारत ढह गई। इस इमारत के मलबे में छह लोग दब गए, जिनमें से चार को सुरक्षित बचा लिया गया है लेकिन दो लोग अभी भी मलबे में फंसे हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। एनडीआरएफ की तीन टीमें मौके पर मौजूद हैं और राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। इमारत के पहले तल पर दो लोग फंसे हुए हैं, जिन्हें सुरक्षित बचाने के लिए राहत कार्य चल रहा है। एनडीआरएफ के असिस्टेंट कमांडेंट सारंग कुर्वे ने बताया कि मलबे में फंसे लोगों का पता लगाने के लिए ट्रेसिंग कैमरों की मदद ली जा रही है। जैसे ही पीड़ितों का पता चल जाएगा, उन्हें मलबे से निकालने के लिए ड्रीलिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि इमारत का ग्राउंड फ्लोर पूरी तरह से ढह गया, जिसकी वजह से पूरी इमारत ही गिर गई। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि घाटकोपर पूर्वी की राजावाड़ी कालोनी में इमारत का एक हिस्सा ढहा है। चार लोगों को बचा लिया गया है और दो लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं।

संपादकीय

भाड़े के सैनिकों की बगावत, पुतिन का तख्तापलट ?

रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के तख्तापलट की कोशिश हुई है। तख्तापलट हो पाता,इसके पहले ही रूस के शासक सतर्क हो गए। इस तख्ता पलट की कोशिश को दबाने में राष्ट्रपति पुतिन जरुर सफल हुए हैं। उन्होंने विद्रोहियों के साथ समझौता करके इस तख्ता पलट की कोशिश को नाकाम कर दिया है। इसमें आंशिक सफलता मिली है। आगे चलकर क्या होगा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका क्या असर होगा। इसको लेकर अभी इंतजार करना होगा। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध पिछले कई महीनों से चल रहा है। अमेरिका सहित सभी नाटो देश यूक्रेन की मदद कर रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी परमाणु हमले की धमकी देकर,युद्ध को जारी रखा है। रूस ने प्राइवेट सैनिकों को भाड़े में रखा हुआ था। भाड़े के अधिकांश सैनिक रूस के सेवानिवृत सैन्य बल का था। भाड़े के इन्ही सैनिकों ने बगावत को अंजाम दिया है। प्राइवेट आर्मी के मालिक येवगेनी प्रोगोजिन ने बगावत कर दी। इन सभी सैनिकों को ठेके पर रखा गया था। इन्होंने यूक्रेन के कई इलाके जीतने में रूस की मदद की थी। पिछले कई दिनों से येवगेनी और रूस की सेना के बीच हथियारों की सप्लाई और अन्य सुविधाओं को लेकर काफी मनमुटाव चल रहे थे। बगावत करके वोरोनेज और रोस्तोव शहर पर विद्रोहियों ने कब्जा कर लिया था। विद्रोही भाड़े के सैनिकों ने मास्को की ओर कूच कर दिया था। प्राइवेट आर्मी के मास्को की ओर बढ़ने की खबर मिलने के तुरंत बाद हाई अलर्ट जारी किया गया। राजधानी को जोड़ने वाला हाईवे भी बंद किया गया। मास्को की सड़कों पर बख्तरबंद गाड़ियां और रूस की सेना तैनात कर दी गई। रूस की सेना के सहयोग से विद्रोह को दबाने में लगभग-लगभग पुतिन सफल हो गए हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए रूस ने विद्रोहियों के साथ समझौता करके तख्तापलट की कोशिश को नाकाम करने की पहल की है। यह स्थिति कब तक रहेगी,कहना मुश्किल है। अमेरिका और नाटो देश इस स्थिति का फायदा उठाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ेंगे। विद्रोही वैगनर ने कहा है, कि पुतिन के स्थान पर रूस को जल्द ही नया राष्ट्रपति मिलेगा। उसके इस बयान पर स्पष्ट हो रहा है, कि बगावत में उसे रूस के कद्दावर नेताओं का साथ भी मिल रहा है। पुतिन को हटाने के लिए अमेरिका और नाटो देश भी पूरा सहयोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विद्रोहियों का करेंगे। जिसके कारण पुतिन की चुनौतियां बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। उन्हें कई मोर्चों पर एक साथ लड़ना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह से अमेरिका और नाटो देश मिलकर, रूस के साथ आर-पार की लड़ाई लड़ रहे हैं। उसी तरह रूस भी अपने अस्तित्व के लिए आर पार की लड़ाई लड़ रहा है। इसके परिणाम क्या होंगे, इसके बारे में कोई भी, कुछ भी नहीं कह पा रहा है। सोवियत रूस के विघटन के बाद रूस अब अपने अस्तित्व की दूसरी लड़ाई लड़ रहा है। यूक्रेन के साथ लंबे समय से युद्ध चल रहा है। अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों और युद्ध में भारी खर्च करने के कारण रूस आर्थिक ओर सामरिक दृष्टि से काफी कमजोर हो गया है। वहीं लगातार सत्ता में बने रहने के कारण, पुतिन का विरोध भी रूस के अंदर बढ़ रहा है। जिसके कारण उनके लिए लगातार परेशानी और चुनौतियां बढ़ रही हैं। पुतिन अब खुद भी सुरक्षित नहीं रहे। कब उनके आसपास के ही आदमी उनकी हत्या कर दें। इसकी भी संभावनाएं व्यक्त की जाने लगी हैं। बहरहाल रूस, चीन, अमेरिका के बीच तनाव बना हुआ है। इस तनाव को खत्म करने की पहल ना तो संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा की जा रही है। नाही दुनिया भर के किसी भी देश के राजनेता द्वारा इन तीनों शक्तियों के बीच में समन्वय बनाने के लिए कोई आगे आ रहा है। ऐसी स्थिति में दिनोंदिन परिस्थितियां विकराल हो रही हैं। जल,थल और आकाश में लगातार एक दूसरे को चुनौतियां देने के लिए,सामरिक और आर्थिक दृष्टि से तीनों शक्तियां एक दूसरे को निपटाने में लगी हुई हैं। यह स्थिति बड़ी खतरनाक है। प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध सबक के रूप में हमारे सामने हैं।

है लगता हरियाली!

पहुंचा मानसून है ।
राहत मिलने वाली ।।
छाएगी अब हर तरफ ।
है लगता हरियाली ।।
त्राहिमाम दौर था ।
है मिला छुटकारा ।।
दिया मौसम साथ है ।
मिलना कुछ सहारा ।।
थी जिसकी जरूरत ।
है आया वह पल ।।
झमाझम बरसात से ।
होना तय अब हल ।।
आई लौट रौनक ।
उमस से छुटकारा ।।
प्रकृति ने हर मौसम ।
खूब है संवारा ।।

–कृष्णेन्द्र राय

नरेंद्र मोदी की राजकीय अमेरिका यात्रा

कहते हैं कि 'सब दिन होत न एक समाना।' इन पंक्तियों को चरितार्थ करती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह 'पंच दिवसीय विदेश यात्रा' के प्रथम सोपान का तीन दिवसीय चरण ,जो अमेरीका के न्यूयॉर्क शहर से प्रारम्भ हुआ। इससे पूर्व लगभग वह छह बार अमेरिका की यात्रा कर चुके हैं लेकिन यह यात्रा पूर्व की उन यात्राओं में विशेष स्थान रखती है क्योंकि वह इस बार विश्व के सबसे प्राचीन लोकतांत्रिक देश अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन व उनकी पत्नी डॉ जिल बाइडेन के विशेष अतिथि हैं वह ,जो बाइडेन की कलम से लिख कर आमंत्रित किये गए 'स्टेट विजिट' पर थे । इस प्रकार के राजकीय अतिथि के प्रोटोकॉल भी विशेष होते हैं। इस यात्रा का सम्पूर्ण भार-वहन आयोजक करेंगें । '21 तोपों की सलामी' से लेकर 'व्हाइट हाउस में रात्रि भोज ', व्हाइट के बगल में रुकने की व्यवस्था आदि। अमेरिका के रष्ट्रपति एक वर्ष में राजकीय अतिथि के रूप में केवल एक मेहमान को आमंत्रित कर सकतें हैं। 'स्टेट विजिट' का दर्जा स्वयं में उपरोक्त पंक्तियों को चरितार्थ करता है।

20 जून 2023 को भारत से रवाना होकर विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाले शहर 'न्यूयॉर्क' पहुंच कर , अगले दिन संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय के 'नार्थ लान' में, भारत के सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष रहते , पिछले दिसम्बर में स्थापित,राष्ट्रपिता 'महात्मा गांधी' की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर 'नवें अंतराष्ट्रीय योग दिवस' समारोह में भाग लेकर ,इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाते हुए , 'गिनीजबुक ऑफ द वर्ल्ड रिकार्ड' में नाम दर्ज कराने में 'योग करते हुए' अपना योगदान दिया। इस कार्यक्रम में लगभग 180 देशों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। सर्वाधिक देशों के प्रतिनिधियों की सहभागिता के कारण यह उपलब्धि प्राप्त हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ सामान्य सभा के '77 वें' सत्र के अध्यक्ष कोसाबा कोरोसी ,हॉलीबुड के अभिनेता रिचर्ड गेर ,न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स सहित बहुत सी हस्तियों ने पूर्व निर्धारित सफेद रंग की टीशर्ट के ड्रेस कोड के परिधान में हिस्सा लिया। यूएनजीए के अध्यक्ष कोसाबा कोरेसी के अनुसार वह अपनी बेटी के कारण ,जो इसमे बहुत रुचि लेतीं हैं ,काफी कुछ सीख पाए हैं। उनको अपनी बेटी पर योग अभ्यास के कारण गर्व है। प्रधानमंत्री में अपने योग सत्र के सम्बोधन में 'योग' को एकजुट कटने वाला बताया। योग को मनाने सम्बन्धी अपने '9 वर्ष पूर्व के प्रस्ताव' का जिक्र किया। उन्होंने प्राचीन भारतीय इस विधा की वैश्विक उपयोगिता को देखते हुए इसे कॉपीराइट ,पेटेंट और रॉयल्टी मुक्त बताया।

न्यूयॉर्क से प्रधनमंत्री अमेरिकी राजधानी वाशिंगटन डीसी पहुंचे जहां प्रोटोकॉल के अनुसार बारिश के बावजूद 'गार्ड ऑफ ऑनर ' दिया गया एवं प्रवासी भारतियों द्वारा पारम्परिक रूप से स्वागत किया गया। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के राजकीय अतिथि का जो बाइडेन एवं डॉ जिल बाइडेन ने अभिनन्दन किया । व्हाइट हाउस से 'हिंदी' में अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री ने इस गर्मजोशी भरे स्वागत को सवा सौ करोड़ भारतीयों व लगभग 40 लाख अप्रवासी भारतीयों का सम्मान बताया और 'वार्म वेलकम'के लिए जो बाइडेन दम्पत्ति को धन्यवाद ज्ञापित किया। इसको दुनिया के सबसे पुराने और चैंपियन लोकतंत्र और सबसे बड़े लोकतंत्र की मित्रता में नए अध्याय के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आज के 30 वर्ष पूर्व इसी व्हाइट हाउस को व बाहर से देख कर गए थे।आज इसके दरवाजे मेरे साथ प्रवासी भारतीयों के लिए भी खुल गए। वह राजकीय अतिथि के रूप में व्हाइट हाउस में आयोजित रात्रि भोज में वह जो बाइडेन दम्पत्ति के टेबल पर थे ,साथ मे 400 भारतवंशियों को भी आमंत्रित किया गया था जिनमें सुंदर पिचाई,मुकेश अम्बानी,इंदिरा नूईं,आनंद महेंद्रा ,टिम कुक आदि अपने-अपने क्षेत्रों के दिग्गज लोग थे । जो बाइडेन ने रात्रि भोज को ' मित्रत्रा के महान बंधन का जश्न बताया।' मोदी ने भोज के दौरान ऑस्कर विजेता भारतीय गाने 'नाटू-नाटू ' का जिक्र करते हुए अमेरिकी युवाओं में उसकी लोकप्रियता का के साथ भारतीय बच्चों में स्पाइडर मैन बनने की बात की प्रवृति को अगली पीढ़ी की निकटता के सेंस में कोड किया।

प्रधानमंत्री ने जो बाइडेन को मैसूर की चंदन की लकड़ी से निर्मित नक्कासीदार बॉक्स ,उसमें चांदी से निर्मित 'दस दानम' को रखने हेतु डिब्बी जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों से सम्बंधित आवश्यक सामग्री रखी गयी थी ,बॉक्स में चांदी की गणेश मूर्ति ,चांदी का नारियल आदि सभी 'गो दान' हेतु सामग्रियां रखी थी जो नवम्बर में 81 वर्ष के होने जा रहे रष्ट्रपति के कार्य आ सके। जिससे देख बाइडेन भावुक दिखे। अमेरिका की प्रथम महिला के लिए व मेड इन इंडिया ग्रीन डायमंड जो प्रयोगशाला में तैयार किया गया था भेंट किया। इन सभी बस्तुओं में भारत के विभिन्न क्षेत्रों की विशेताएँ समाहित थी। अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को ऐतिहासिक रूप से दूसरी बात सम्बोधित करने वाले 'प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री 'बने नरेंद्र मोदी। सम्बोधन के क्रम में उन्होंने भारतीय विकास की गाथा का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में जब पहली बार अमेरिका आये तो उस समय आर्थिक दृष्टि दे भारत ' विश्व की दसवीं बड़ी अर्थव्यवस्था' था जो इस बार की यात्रा के समय 'विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था' के रूप में स्थापित हो चुका है और शीघ्र ही यह 'विश्व की तृतीय बड़ी अर्थव्यवस्था' के रूप में अपना नाम दर्ज कराने की तरफ अग्रसर है। उन्होंने भारत के विकास को दुनिया के विकास से जोड़ते हुए कहा कि 'भारत जब विकास करता है तो पूरी दुनिया विकास करती है।' भारत सरकार ने अपने सवा अरब लोगों के आश्रय के लिए चार करोड़ घर दिए हैं जो ऑस्ट्रेलिया के जनसख्या का छः गुना है । भारत सरकार गरीबों के लिए मुफ़्त इलाज की सुविधा दे रहीं। उन्होंने अमेरिका के 9 /11 के आतंकबादी हमले व भारत के 26 /11 के हमले का जिक्र करते हुए वैश्विक आतंकवाद व धार्मिक कट्टरता के प्रति ध्यान केंद्रित किया किया। इसको विश्व के लिए खतरनाक बताते हुए इसपर भेदभाव और किन्तु- परन्तु न करने की बात करते हुए इस पर प्रभावशाली नियंत्रण लगाने पर जोर दिया। चीन का नाम न लेते हुए हिन्द-प्रशांत क्षेत्र पर घुमड़ते टकराव के बादल पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वैश्विक व्यवस्था 'सँयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर ' के अनुसार आपसी एकता ,अखण्डता,सम्प्रभुता का सम्मान करते हुए आंतरिक मामलो में अहस्तक्षेप की होनी चाहिए । उन्होंने कहा कि हम किसी को अलग करने पर नहीं वरन पारस्परिक सहयोग करते हुए विकास के पथ पर अग्रसर होने की इच्छा रखते हैं। उन्होंने मानवता ,विकास आदि की चर्चा की। उनके अनुसार एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स के क्षेत्र में जिस प्रकार विकास होरहा है ,उसी प्रकार अमेरिका और इंडिया के रिश्ते भी अग्रसर हैं । इस सदी के प्रारम्भ में हम रक्षा के क्षेत्र में सहयोग में लगभग नगण्य थे लेकिन अब हमारा सम्बन्ध काफी आगे बढ़ चुका है। उन्होंने प्रतिनिधियों को नसीहत देते हुए कहा कि हमारे राजनैतिक मतभेद हो सकते हैं किंतु जब हम राष्ट्र की बात करें तो एक मत रहें। मोदी की लोकप्रियता का आलम यह था कि स्पीकर मैकार्थी ने उनका स्वागत करना सौभाग्य की बात बताया, वह उनका ऑटोग्राफ भी लिए जिसके लिए सांसदों में होड़ मची थी। यह स्थिति नरेंद्र मोदी की वैश्विक लोकप्रियता को दशार्ती है । इस यात्रा के दौरान विकास के विभिन्न क्षेत्रों में कई युगान्तकारी समझौते किये गए। जिनमें भारत एच बी 1 बीजा पर भारतीयों के लिए सिएटल में नया वाणिज्यिक दूतावास खोलेगा और अमेरिका दो वाणिज्यिक दूतावास अहमदाबाद व बंगलुरू में खोलेंगे । इस वीजा पर अमेरिका द्वारा कुछ रियातें देने पर मोदी ने धन्यवाद दिया । सबसे बड़ा समझौता प्रतिष्ठित अमेरिकी कम्पनी जनरल इलेक्ट्रिक एरोस्पेस और हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच हल्के लड़ाकू विमान 'तेजस एमके2'के लिए जेई एफ 414 इंजन को भारत मे बनाए जाने को लेकर हुआ । इसके साथ ही तकनीकी साझा करने के दौर का सूत्रपात हुआ । विशेष बात इसमे यह है कि तकनीक साझा करने का नियम केवल अमेरिका अपने सैन्य सहयोगियों के साथ किया था ,भारत पहला देश है जिसका सैन्य सहयोग न होने के बावजूद यह समझौता हुआ। भारत अमेरिका से 31 'एमक्यू 9 बी' ड्रोन खरीदेगा।जिससे भारतीय नेवी की ताकत बहुत बढ़ जाएगी और हिन्द - प्रशांत क्षेत्र की निगरानी की दिशा में इसको बड़ा कदम माना जा सकता है। सेमीकंडक्टर की दिग्गज अमेरिकी कम्पनी 'माइक्रोन ' गुजरात मे अपना प्लांट लगाएगी जिससे भारत में रोजगार सृजन के अतिरिक्त इसके हब के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी । अभी तक भारत इसको चीन आदि अन्य देशों से आयात करता था। स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारतीय एजेंसी इसरो और अमेरिकी एजेंसी नासा के बीच करार हुआ । जटिल टेनोलॉजी को सुरक्षित रखने व आपस मे बांटने पर भी दोनों देशें में समझौते हुए । शिक्षा एवं टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कार्य करने वाली अमेरिका की एजेंसियों के सीईओ को भी भारत आकर भारतीय मेघा को निखारने के लिए आमंत्रित किया। मोदी ने प्रमुख अमेरिकी कम्पनियों के सी ई ओ के साथ बैठक कर उनको भारत में आकर कार्य करने हेतु आमंत्रित किया। एक साझा बयान में 5 जी ,6 जी टेलीकॉम नेटवर्क,हाई एंड ई कम्प्यूटिंग के क्षेत्रों के साथ-साथ सह-उत्पादन के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। विदेशी राजनयन में सभी सम्बन्ध अपने हितों के पोषण हेतु बनाये जाते हैं । नरेंद्र मोदी की अमेरिका की यात्रा में जो बाइडेन और उनके बीच आत्मीयता की जो झलक दिखी उसकी परिणीति उपरोक्त विभिन्न समझौतों के रूप में सामने आयी। जिससे एक तरफ भारत की शक्ति और सामर्थ्य में भारी बृद्धि संभावना है तो दूसरी तरफ भारत एक ताकत के रूप में उभर कर एशिया प्रशांत क्षेत्र में अपनी चुनौतियों पर विजय पा सकता है। विकास के विभिन्न कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपने सामर्थ्य से सम्पूर्ण विश्व को सही दिशा देने के साथ प्रभावशाली रूप से विभिन्न देशों के विकास में सहयोग कर सकता है। वहीं अमेरिका भारत को यूरेशिया की एक बड़ी ताकत के रूप में देखता है जिसकी प्रगति में सहयोग कर वह इसे इस क्षेत्र में अपना सामर्थ्यवान सहयोगी बना सकता है। दोनों देशों के बीच हुए करारों एवं नरेंद्र मोदी एवं जो बाइडेन की बॉडी लैंगुएज व आपसी केमेस्ट्री ,संसद के सतुंक्त सत्र में मिले ऐतिहासिक उत्साहबर्धन के आधार पर भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिका की राजकीय यात्रा को अब तक कि सफलतम यात्राओं में से एक माना जा सकता है।

राजेश कुमार सिंह
मऊ ,उत्तर प्रदेश
स्वतन्त्र स्तम्भकार
मो .न. 9415367382

भारतीय राजनीति के रणनीति में विपक्षी राजनीतिक दलों की अग्नि परीक्षा

विश्व के मानचित्र मे भारत की अपनी पहचान है।चाहे वह एक प्रजातंत्रिक देश की हो या आर्थिक अर्थ व्यवस्था के अगाड़ी देशो की श्रेणी में हो।भारत व भारतीयों की पहचान व परचम समय समय पर हर क्षेत्र में तिरंगा फहरा करकी आन वान शान में चार चाँद लगाया है।खैर आज हम भारत या भारतीय की विशिष्ट उपलब्धियों पर चर्चा नही कर रहा हुँ बल्कि भारत राजनीति के परिपेक्ष में सता पक्ष व विपक्ष के द्वारा अगामी वर्ष 24 में लोक सभा के चुनावी शतरंज में बिछाई गई विसात को लेकर कर रहे है।

हालाकि यह कटु सत्य है' राजनीति में कोई स्थाई दोस्त या स्थाई दुश्मन नही होता है। खास इस दौर में जब भारतीय राजनीति में गठबन्ध राजनीति के उपवन में क्षेत्रीय दलों की अंहम भुमिका हो ।इसका सबसे बड़ा उद्धाहरण केन्द्र में एन डी ए की सरकार है।विपक्ष में यु पी ए के कई क्षेत्रीय दलों की अपनी अलग पहचान है जो कि वर्तमान में भारतीय राजनीति में समय -समय अपनी अंहम भुमिका निभाई है।आज हम देश की राजधानी दिल्ली की राजनीति जहाँ केन्द्र सरकार व दिल्ली की केजरीवाल सरकार के मध्य अधिकार क्षेत्र को लेकर आये दिनों टकराव को देखने को मिलता है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना के माध्यम दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार को स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए बाधाऐ उत्पन्न किया है। परेशान हो कर दिल्ली सरकार अपनी फरियाद को देश के सबसे बडे न्यायालय में पहुँच गए।अतः सर्वोच्य न्यायालय द्वारा दिल्ली सरकार के पक्ष में फैसाला सुनाते हुए केन्द्र सरकार व दिल्ली सरकार के कार्य क्षेत्र की स्पष्ट करते हुए केन्द्र सरकार के पास -पुलिश भुमि, कानुन व्यवस्था को छोड़ अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार के पास रहेगी।इस पर केन्द्र में, भाजपा सरकार द्वारा एक अध्यादेश जारी कर दिया गया कि चुँकि दिल्ली एक पूर्ण राज्य नही है। यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र व केन्द्र शासित प्रदेश है यहाँ विदेश के राजनायिक, देश की राजधानी के राज्य भवन आदि है। हालाकि राजनीतिज्ञ जानकारों का कहना है अध्यादेश को संसद में लाकर पारित करना होगा। जो केन्द्र सरकार के लिए इतना आसान नही है। दुसरी ओर केंद्र के द्वारा लाये गए इस अध्यादेश के खिलाफ संसद में क्या आम आदमी पार्टी को

कांग्रेस पार्टी के अन्य विपक्षी पार्टी का साथ मिलेगा।

आप को बता दे कि इसको ध्यान में रखते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ कांग्रेस का समर्थन मांगा था।दिल्ली में अधिकारियों से जुड़े केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन जुटा रही आम आदमी पार्टी (आप) को कांग्रेस का साथ मिल सकता है। सूत्रों का कहना है कि संसद में ये अध्यादेश का मुद्दा आने पर कांग्रेस आप और अन्य पार्टियों के साथ खड़ी हो सकती है हालांकि,कांग्रेस के आप के साथ गठबंधन या अन्य मुद्दों पर साथ देने की संभावना नहीं है। क्योंकि कांग्रेस को लगता है कि आप नेता कई मौकों पर पार्टी पर निशाना बनाती रही हैं।केंद्र सरकार ने बीते महीने दानिक्स कैडर के ग्रुप-ए अधिकारियों के तबादले और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण गठित करने के उद्देश्य से एक अध्यादेश जारी किया था। दिल्ली की आप सरकार इसका विरोध कर रही है। केजरीवाल ने इस अध्यादेश के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए विपक्षी दलों के कई नेताओं से मुलाकात की है। आप चाहती है कि संसद में इससे संबंधित विधेयक पारित न हो पाए।इसके लिए वो सभी विपक्षी दलों से संसद में इसका विरोध करने का आग्रह कर रही है। केजरीवाल की अपील पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, एनसीपी चीफ शरद पवार, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन समेत कई नेता आप को अपनी समर्थन करने की बात कह चुके हैं।

सर्व विदित रहे 23 जून की बैठक में यह मुद्धा भी उठ सकता है। बिहार के मुख्य मंत्री नीतिश कुमार के नेतृत्व में विपक्षी एकता को लेकर 23 जुन की पटना में बैठक हो रही है।जिसमें कई दिग्गज शामिल होने वाले हैं। सीएम केजरीवाल ने इस बैठक को लेकर मंगलवार को कहा था कि इस मीटिंग में कांग्रेस से सब पार्टियां ये पूछेंगी कि आप केंद्र के अध्यादेश के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करें। उन्होंने कहा कि आज जो दिल्ली में हो रहा है, कल वह दूसरे राज्यों में भी हो सकता है। इस संदर्भ में बुधवार 21 जून को विपक्षी नेताओं को पत्र लिखकर विपक्षी दलों की बैठक में अध्यादेश पर चर्चा करने और मामले पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है।उन्होंने विपक्षी नेताओं से कहा कि वे इसे दिल्ली केंद्रित समस्या के तौर पर नहीं सोचें और दावा किया कि यदि विरोध नहीं किया गया तो बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र अन्य राज्यों के लिए भी इसी तरह का अध्यादेश ला सकती है। मैं सभी दलों से अनुरोध करता हूं कि वे बैठक में अध्यादेश पर अपना रुख स्पष्ट करें और संसद में इसे पारित नहीं होने देने की रणनीति पर भी चर्चा करें। विपक्षी एकता की अग्नि परीक्षा को ले कर कई सबाल उठ रहा है।क्या मोदी सरकार को विपक्ष अपनी सुझ बुझ से कोई ऐसी रणनीति बना

विपक्ष की एकजुटता देखकर डर गयी थीं इंदिरा गांधी, थोप दिया था देश पर आपातकाल

12 जून 1975 को इंदिरा गांधी के रायबरेली से निर्वाचन को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से इंदिरा गांधी तिलमिला उठी। देशभर में छात्र और युवा आंदोलित हो उठे। जब प्रधानमंत्री ने अपनी सदस्यता खो दी है तो उन्हें नैतिक अधिकार नहीं है देश की सत्ता में बने रहने का। इंदिरा गांधी के विरूद्ध देशभर में प्रदर्शन होने लगे। कांग्रेस ने 20 जून, 1975 के दिन एक विशाल रैली का आयोजन किया। इस रैली में देवकांतबरुआ ने कहा, इंदिरा तेरी सुबह की जय, तेरी शाम की जय, तेरे काम की जय, तेरे नाम की जय। इसी जनसभा में अपने भाषण के दौरान इंदिरा गांधी ने घोषणा की कि वह प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र नहीं देंगी।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने रामलीला मैदान पर विशाल जनसमूह के सम्मुख 25 जून, 1975 को कहा, सब विरोधी पक्षों को देश के हित के लिए एकजुट हो जाना चाहिए अन्यथा यहाँ तानाशाही स्थापित होगी और जनता दुखी हो जायेगी। लोक संघर्ष समिति के सचिव नानाजी देशमुख ने घोषणा कर दी, इंदिरा गांधी के त्यागपत्र की मांग लेकर गाँव-गाँव में सभाएं की जायेंगी और राष्ट्रपति के निवास स्थान के सामने 29 जून से प्रतिदिन सत्याग्रह होगा। उसी संध्या को जब रामलीला मैदान की विशाल जनसभा से हजारों लोग लौट रहे थे, तब प्रत्येक धूलिकण से मानो यही मांग उठ रही थी कि प्रधानमंत्री त्यागपत्र दें और वास्तविक गणतंत्र की परम्परा का पालन करें। 25 जून 1975 की रात्रि को देश पर आपातकाल थोप दिया गया। पूरा देश स्तब्ध रह गया। भारत के चिरपोषित राजनीतिक मूल्यों पर संकट छा गया। नागरिक अधिकारों का गला घोंट दिया गया था। मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी गयी थी। न्यायालयों को निरर्थक बना दिया गया था। दिल्ली में नेताओं की धरपकड़ तेज हो गयी। विपक्ष के बड़े नेताओं उनमें चाहे मोरारजी देसाई रहे हों, चौधरी चरण सिंह,अटल बिहारी बाजपेई और लालकृष्ण आडवाणी को रातोंरात पकड़कर जेल में डाल दिया गया। संघ के सरसंघचालक बाला साहब देवरस को 30 जून को ही नागपुर स्टेशन पर बंदी बना कर यरवदा जेल ले जाया गया। यरवदा जेल में पूज्य बाला साहब देवरस के साथ 500 संघचालक,कार्यवाह और कार्यकर्ता बंद थे। बाला साहब देवरस ने अपनी गिरफ्तारी के पूर्व ही आान किया, इस असाधारण परिस्थिति में स्वयंसेवकों का दायित्व है कि वे अपना संतुलन न खोएं। संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। जैसे-जैसे समय बीतता गया शासन प्रशासन का कहर जनता पर बढ़ता गया। आपातकाल के दौरान सरकारी

संचार माध्यमों का भी खूब दुरुपयोग किया गया। आल इंडिया रेडियो को इन्दिरा गांधी के भाषणों को प्रसारित करने के आदेश दिये गए। सभी प्रकार की संचार व्यवस्था, यथा-समाचार-पत्र-पत्रिकाओं, मंच, डाक सेवा और निर्वाचित विधान मंडलो को ठप्प कर दिया गया। प्रश्न था इसी स्थिति में जन आंदोलन को कौन संगठित करे? अंततः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आपातकाल के विरूद्ध बिगुल फूंका। सारे समाज में आपातकाल के विरूद्ध वातावरण बनाने में संघ के कार्यकताओं ने कष्ट सहकर बड़ी बुद्धिमत्ता और धैय से काम लिया। संघ का देश भर में शाखाओं का अपना जाल था और वही इस भूमिका को निभा सकता था। संघ प्रारम्भ से ही जन संपर्क के लिए वह प्रेस अथवा मंच पर कभी भी निर्भर नहीं रहा। अतः संचार माध्यमों को ठप्प करने का प्रभाव अन्य दलों पर तो पड़ा, पर संघ पर उसका रंचमात्र भी प्रभाव नहीं पड़ा। अखिल भारतीय स्तर के उसके केन्द्रीय निर्णय, प्रांत, विभाग, जिला और तहसील के स्तरों से होते हुए गाँव तक पहुंच जाते हैं। जब आपातकाल की घोषणा हुई उस बीच संघ की यह संचार व्यवस्था सुचारु ढंग से चली। भूमिगत आंदोलन के ताने-बाने के लिए संघ कार्यकताओं के घर महानतम वरदान सिद्ध हुए और इसके कारण ही गुप्तचर अधिकारी भूमिगत कार्यकताओं के ठोर ठिकाने का पता नहीं लगा सके। आपातकाल के समय भूमिगत रहते हुए रज्जू भैया, डा. आबाजी थत्ते,बाला साहब भिड़े, चमनलाल जी, ए रामभाऊ गोडबोले,सुंदर सिंह भण्डारी, ओम प्रकाश त्यागी,जगन्नाथ राव जोशी, दादा साहब आपटे और बापू राव मोघे जैसे संघ के अनेक वरिष्ठ प्रचारकों ने जनता का मनोबल बनाए रखने के लिए देशभर में प्रवास किया।

आपातकाल विरोधी संघर्ष में 1 लाख से भी ज्यादा स्वयंसेवक सत्याग्रह कर जेल गये। आपातकाल के दौरान सत्याग्रह करने वाले कुल 1,30,000 सत्याग्रहियों में से एक लाख से अधिक सत्याग्रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के थे। मीसा के अधीन जो 30,000 लोग बंदी बनाए गए, उनमें से 25000 से अधिक संघ के स्वयंसेवक थे। जबकि सत्याग्रह और जेल भरने का अनुभव का दावा करने वाली संस्था कांग्रेस ह्यओह्न और समाजवादी दल के ज्यादा लोग नहीं जा पाये। संघ के बाद अकाली दल की संख्या थी करीब 12 से 13 हजार थी। बाबा जयगुरूदेव भी मात्र तीन से चार हजार लोग को ही जेल भेज सके। सोशलिस्ट पार्टी के नेताओं की संख्या बहुत सीमित थी, फिर भी अक्सर आपस में झगड़ते रहते थे। संघ के कार्यकर्ता जेलों में बड़े आनंद के साथ घुलमिलकर रहते थे। सभी जेलों में नियमित रूप से सुबह और शाम को संघ की शाखा लगती थी। उसमें शारीरिक और बौद्धिक के कार्यक्रम होते थे। आपातकाल विरोधी संघर्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 कार्यकर्ता अधिकांशतः बंदीग्रहों और कुछ बाहर आपातकाल के दौरान बलिदान हुए। अच्युतपटवर्धन ने लिखा है, मुझे यह जानकार प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता राजनीतिक प्रतिरोध करनेवाले किसी भी अन्य समूह के साथ मिलकर, उत्साह और निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए, तथा घोर दमन और झूठ का सहारा लेने वाले पैशाचिक शासन का जो कोई भी विरोध कर रहे हों, उनके साथ खुल कर सहयोग करने और साथ देने के लिए तैयार थे।

राजेंद्र प्रसाद पांडेय जी साहित्य, प्रशासन और मित्रता के त्रिवेणी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रथयात्रा चौराहे के समीप कन्हैयालाल मोतीवाला सभागार में हिंदी और संस्कृत के वरिष्ठ कवि, कथाकार, वातार्कार तथा आलोचक डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद पांडेय की स्मृति को समर्पित दो दिवसीय आयोजन के आरम्भ में पांडेय जी की हालिया प्रकाशित हुई किताबों ह्यनादिया नाँव संजोगह्ल और ह्यप्रीति न करयो कोयेह्ल और भाषा चिंतन के आयामह्ल का लोकार्पण डॉक्टर ओम् धीरज डॉक्टर जितेंद्र नाथ मिश्र और डॉक्टर अरुणेश नीरन की उपस्थिति में हुआ इस आयोजन की अध्यक्षता डॉक्टर दयानिधि मिश्र ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर उदय प्रताप सिंह उपस्थित थे इस अवसर पर पांडेय जी के जीवन और साहित्य के मूल्यांकन पर केंद्रित लगभग पांच सौ पृष्ठ की पुस्तक ह्यराजेंद्र प्रसाद पांडेय एक शिनाख्तह्ल का भी लोकार्पण हुआ जिसका आयोजन पांडेय की धर्मपत्नी डॉक्टर शशिकला पांडेय जी ने किया है` नांदी सेवा न्यास के सचिव यशोरत्न ने सभी मंचासीन लोगों का माल्यार्पण कर, उत्तरीय ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह के साथ समन्वित किया इस अवसर पर बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अजीवक संरक्षक सदस्य भी विद्यमान रहे` ओम् धीरज ने पांडेय जी को साहित्यिक रत्न के रूप में स्मरण किया जितेद्रनाथ मिश्र ने अपने वक्तव्य में कहा की पांडेय जी ने अपनी साहित्यिक दृष्टि विकसित की और विद्वानों की बात पर आँख बंद कर के विश्वास नहीं किया उन्होंने कहा उनकी जीवन के प्रति सम्मान और आसक्ति थी` डॉक्टर अरुणेश नीरन ने पांडेय जिनके साथ व्यतीत किया समय याद करते हुए कहा की उनकी तर्कबद् बौधिक टकराव में खासी रुचि थी उन्होंने शशिकला पांडेय को नांदी पत्रिका को फिर से शुरू करने के लिए बधाई दी उदय प्रताप सिंह ने पांडेय जी के लेखन पर शोध करने का आग्रह करते हुए कहा कि वे साहित्य की त्रिवेणी थे साहित्य, प्रशासन और मित्रता उन्होंने कहा कि वे निगुणोपासक थे।

एक ही बरसात में रोड बना तालाब, राहगीरों को हो रही काफी समस्या

प्रखर गंभीरपुर/आजमगढ़। एक तरफ सरकार गड्ढा मुक्त अभियान का नारा देती है वहीं दूसरी तरफ सड़के टूटकर बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई है जिसका नतीजा होता है कि थोड़ी सी बरसात में तलाब जैसी स्थिति हो जाती हैं और लोगों को आने-जाने के लिए काफी परेशानियां उठानी पड़ती है। बताते चले कि मुहम्मदपुर फरिहाँ मार्ग से मोहिउद्दीनपुर ,फैजुल्लापुर अम्बरपुर जाने वाले मार्ग पर मोहिउद्दीनपुर श्रीराम धरकार के घर के पास सड़क के टूटकर बड़े-बड़े गड्ढे के रूप में तब्दील हो गई हैं जिसके कारण हल्की सी बरसात में जल जमाव हो जाता है और उस मार्ग पर प्रतिदिन चलने वाले हजारों लोगों के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ती है क्योंकि यह मार्ग लगभग आधा दर्जन गांव को जोड़ता है प्रतिदिन मुहम्मदपुर फरिहा से लगभग आधा दर्जन गांव के लोगो का अपनी जीविका चलाने एवं रोजमर्रा की जिंदगी जीने के लिए इस मार्ग से होकर गुजरना होता है वही सबसे ज्यादा समस्या मोहिउद्दीनपुर में होती है जहां पर सड़के टूटी हुई हैं वहाँ पर रहने वाले एक दर्जन परिवार के लोगों के लिए परेशानी होती हैं उनके घर के सामने सड़के टूटे होने के कारण जलजमाव होता है जिससे मच्छर पनपने एवं गंदगी होने से अनेक बीमारियां फैलने के डर हमेशा बना रहता है वहीं मोहिउद्दीनपुर गांव के दिलशाद अल्ताफ ,शफीक ,बिंदु धरकार, लाला, सोहन ,जितनू यादव, लुल्लू आदि लोगो ने बताया कि यह मार्ग काफी दिनों से खराब और टूटा पड़ा हुआ है स्थानीय स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को कई बार अवगत कराया गया लेकिन अभी तक नही बनाया गया । वही पास में बने नाले के जाम हो जाने के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए इस मार्ग को अभिलंब बनवाने की मांग की है।

ग्राम प्रधान समेत पांच गिरफ्तार, मामला गिरफ्तारी के खिलाफ थाने पर हमला

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। करीमुद्दीनपुर थाना अंतर्गत 2 दिन पूर्व मुख्तार अंसारी के सहयोगी रहे अमित राय की हुई गिरफ्तारी के बाद देर रात अमित राय के गांव प्रधान पिता की अगुवाई में 100 से 200 लोगों ने थाने पर हमला बोल दिया, और पथराव भी किया। जो अमित राय को छोड़े जाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान भीड़ ने कुछ पुलिसकर्मियों को भी चोटिल किया। मामले को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने 7 लोगों को नामजद करते हुए लगभग 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। अब इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ग्राम प्रधान समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि 23 जून की रात में करीमुद्दीन थाने पर हमला करने के मामले में नामजद रामप्रवेश राय, रिशु तिवारी के साथी अमरावती, मुन्नी देवी, मीना देवी को गिरफ्तार किया गया है। अन्य

आरोपियों की तलाश की जा रही है मालूम हो कि सभी लोगों के खिलाफ धारा 147, 148, 149, 323, 186, 332, 353, 427, 504 के साथ ही 3/4 लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम व 7 सीएलए के तहत मुकदमा दर्ज था।

ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक पर बैठी युवती की मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गोरखपुर वाराणसी फोरलेन हाईवे पर मरदह थाना क्षेत्र के हैदर गांव के पास ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार पति गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जबकि पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जबकि घायल पति को मऊ जनपद में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के विजवनपुर निवासी रविंद्र गुप्ता अपनी पत्नी इंदू देवी उम्र 28 साल के साथ मोटरसाइकिल द्वारा दवा लेने मऊ गए हुए थे। वहां से लौटते वक्त गाजीपुर के मरदह थाना क्षेत्र के हैदर गांव के पास फोरलेन हाईवे पर ट्रेलर के चपेट में आ गए जहां पति रविंद्र गुप्ता गंभीर रूप से जख्मी हो गए वहीं पत्नी इंदू की ट्रेलर से कुचल कर मौत हो गई।

मेडिकल कॉलेज के निर्माण मे लापरवाही बर्दाश्त नहीं, कार्य योजना बनाकर काम को करें पूरा : दिनेश प्रताप सिंह

प्रखर जौनपुर। सिद्धिकपुर स्थित उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का रविवार कृषि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अचौक निरीक्षण किया। रविवार मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण करने पहुंचे कृषि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने मेडिकल कॉलेज के अधुरे भवन,ओपीडी,प्रयोगशाला,समेत अन्य भवन का अचौक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा से पहले लेकचर हाल, पुस्तकालय भवन को समय पुरा करने की हिदायत दी, प्रोजेक्ट मैनेजर आर के सिंह फटकार लगाते हुए कहा कि निर्माण कार्य को कार्य योजना बनाकर पूरा कराने का कार्य करें, निर्माण कार्य पूरी तरीके से गुणवत्तापूर्ण और समय से पूर्व होना चाहिए। इसके बाद उन्होंने मेडिकल कॉलेज में अध्यनरत छात्रों से बातचीत की, छात्रों ने छात्रावास में बाउंड्रीवाल, शौचालय, खेलकूद मैदान, लेकचर हाल और कैंटीन के निर्माण की मांग की, छात्रों ने मेडिकल कॉलेज की

सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों के ढील-ढाल रवैया की शिकायत करते हुए कहा कि रात में अराजक तत्व मेडिकल कॉलेज परिसर में घुस जाते हैं तथा हम लोगों के सामने बाधा उत्पन्न करते हैं।जिस पर कृषि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने नाराजगी जाहिर करते हुए प्राचार्य शिवकुमार को सख्त हिदायत दी कि मेडिकल कॉलेज में अध्यनरत छात्रों को किसी भी तरह की समस्या हुई तो उसके जिम्मेदार आप स्वयं होंगे तथा योजना बनाकर एक सप्ताह के अंदर सभी खामियों को दूर करें मेडिकल कॉलेज में अध्यनरत छात्रों को पठन पाठन कार्य में किसी भी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए।इसके बाद बदलापुर विधायक रमेश मिश्रा ने छात्रो को आश्वासन दिया की मेडिकल कॉलेज छात्रो को किसी भी तरह की समस्या नही होने दी जाऐगी।सभी खामियो को जल्द दुरूस्त कर दिया जाऐगा।

डॉ. आनंद कुमार मिश्र का दिल्ली वि0वि0 के संघटक महाविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन से क्षेत्र में खुशी की लहर

प्रखर जखनियां गाजीपुर। जब किसी व्यक्ति विशेष की मेधा को सुखद सपनो का पंख लगता है तो चचाओं की आबोहवा में घुलकर सुखद खुशबू सुदूर क्षेत्रों तक इस कदर छा जाती है कि हर कोई शुभकामनाएं और बधाई देने को उतावला नजर आने लगता है। ऐसा ही कुछ माहौल बन पड़ा है जनपद मुख्यालय से 32 कि०मी०दूर जखनियां क्षेत्र में। जखनिया तहसील के जाहीं ग्रामसभा निवासी डॉ.आनंद कुमार मिश्र S/O ओमप्रकाश मिश्र का दिल्ली विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय (पी.जी.डी.ए.वी.सांध्य) में असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी के पद पर चयन होने पर क्षेत्र में खुशी की लहर फैल गयी और बधाई देने वालों का ताता लग गया। उक्त अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा डाक्टर आनंद कुमार मिश्रा शिक्षित परिवार से आते है और उनका शुरू से ही रुझान शिक्षा द्वारा समाज परिवर्तन के प्रति था। उन्होंने सामाजिक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़कर अनेको सामजिक कार्यों में सहभागिता

किया है। आप RSS के अनेक पदो पर कार्यरत रहें है और वर्तमान में जौनपुर विभाग के विभाग सह कार्यवाह थे। उन्होंने आदिवासी हिंदी लेखन पर अन्त्योदय दर्शन का प्रभाव विषय पर हिंदी में शोध कार्य किया है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़कर कार्य करते हुए पं. दीनदयाल उपाध्याय के राजनीतिक दर्शन से प्रेरित होकर आदिवासी हिंदी साहित्य का अध्ययन मनन एवम् आधा दर्जन से अधिक शोध पत्रों का विभिन्न शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन उनके द्वारा लिखित हुवा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म शताब्दी वर्ष में पंडित दीनदयालः राजनीति में संस्कृति के राजदूत शीर्षक पुस्तक का संपादन जिसका विमोचन संघ के वरिष्ठ प्रचारक आदरणीय इंद्रेश जी के करकमलों द्वारा हुआ था। बधाई देने वालों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दुर्गा प्रसाद, संजीव त्रिपाठी, उमाशंकर यादव, धर्मवीर राजभर, प्रशांत सिंह, अजय विक्रम सिंह, विजय गुप्ता, अशोक चौहान सहित प्रमुख लोग एवं ग्राम वासियो ने शुभकामनायें प्रेषित किया।

कृषि, पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण से सम्बंधित संसदीय स्थायी समिति द्वारा भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी का भ्रमण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत सरकार की कृषि, पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण से सम्बंधित संसदीय स्थायी समिति द्वारा वाराणसी स्थित भा.कृ.अनु.प.- भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया गया इस भ्रमण दल का नेतृत्व समिति के अध्यक्ष माननीय लोकसभा सांसद श्री पी.सी. गद्दीगौदर द्वारा किया गया`

इस दल में लोकसभा एवं राज्य सभा के कुल 13 सांसदों नामतः ए. गणेशमूर्ति, सांसद, लोकसभा, कनकमल कटारा सांसद, लोकसभा, देवजी मानसिंहराम पटेल, सांसद, लोकसभा, शारदा अनिल कुमार पटेल, सांसद, लोकसभा, भीमराव बसवंतराव पाटिल, सांसद, लोकसभा, विनायक भाऊराव राउत, सांसद, लोकसभा, पोचा ब्रह्मानंद रेड्डी, सांसद, लोकसभा, वीरेन्द्र सिंह, सांसद, लोकसभा, रामिलाबेन बेचारभाई बारा, सांसद, राज्यसभा, मस्तान राव बीड़ा, सांसद, राज्यसभा, अनिल सुखदेवराव बोंडे, सांसद, राज्यसभा, एस. कल्याणसुन्दरम सांसद, राज्यसभा, राम नाथ ठाकुर, सांसद, राज्यसभा, उपस्थित थे यह समिति कृषि, पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े विभागों के कार्यों की समीक्षा एवं निगरानी करती है एवं भारत सरकार को अपने सुझाव प्रस्तुत करती है कार्यक्रम का आरम्भ संस्थान के निदेशक डॉ. तुषार कान्ति बेहेरा ने अपने स्वागत संबोधन में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के बारे में एक संक्षिप्त परिचय दिया तथा संस्थान की शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डाला समिति के अध्यक्ष श्री पी.सी. गद्दीगौदर ने भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में चल रहे किसानोपयोगी शोध गतिविधियों की प्रशंसा की एवं किसान कल्याण के हित में लिये गये कदमों की सराहना भी की उन्होंने देश में सब्जियों की महत्ता को देखते हुये वैज्ञानिकों को सलाह दी कि संस्थान द्वारा किये गये कार्यों को देश के कोने-कोने में पहुँचाने का प्रयास करें ताकि शोध का लाभ किसानों के खेतों तक कम से कम समय में एवं प्रभावी ढंग से पहुँचाया जा सके बैठक के दौरान समिति के अन्य सदस्यों ने सब्जी शोध एवं प्रसार से जुड़े मुद्दों पर महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए इस अवसर पर समिति के सदस्यों द्वारा संस्थान के शोध प्रक्षेत्र, विभिन्न प्रयोगशालाओं, बीज प्रसंस्करण इकाई, जैव-नियंत्रण प्रयोगशाला, मशरूम इकाई, शहद प्रसंस्करण इकाई इत्यादि का भी भ्रमण एवं अवलोकन किया साथ ही सभी सदस्यों द्वारा संस्थान परिसर में पौध रोपण भी किया गया इस कार्यक्रम में डॉ. सुधाकर पांडेय, सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं डॉ. प्रभात कुमार, बागवानी आयुक्त, भारत सरकार ने भी भाग लिया एवं अपने सुझाव प्रकट किया।

आदित्य विजन के 113वें स्टोर का रामनगर में हुआ भव्य शुभारंभ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आदित्य विजन के 113वें स्टोर नये शोरूम का उद्घाटन 25 जून रविवार को सितया नाका मोड़, पंजाब नैशनल बैंक के सामने, रामनगर वाराणसी में हुआ आदित्य वन उपभोक्ता उपकरणों के लिए प्रदेशका एक विश्वसनीय और अपने बेहतरीन सर्विस तथा शानदार ऑफर्स के लिए जाना हुआ नाम है ` आदित्य विजन ने अपना पहला शोरूम 1999 में पटना के तारामण्डल के सामने शुरू किया उसके बाद यह कारवां आज 2023 में अपने 113वें शोरूमों के साथ खड़ा है` आदित्य विजन के निदेशक निशांत प्रभाकर ने बताया कि आदित्य विजन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (इरए) में बिहार का सबसे पहला सूचीबद्ध इलेक्ट्रॉनिक रिटेल चेन है इस अवसर पर उन्होंने अपने सभी कर्मचारियों शुभचिन्तक, सहयोगियों तथा ग्राहकों को उनके विश्वास के लिए उनका हार्दिक धन्यवाद किया कि उन्होंने अपनी योग्यता, लगन और कर्मठता से आदित्य विजन को 1999 के पहले शोरूम से आज 113वें शोरूम तक का सफर प्राप्त करने में सहयोग किया` इस दौरान हमने अपने ग्राहकों की सुविधा का निरंतर ख्याल रखा है जिससे उन्हें उनकी खरीदारी में हम अधिक से अधिक सहूलियत दे सके।

आदित्य विजन का नत्र है अदा करें छोटी किस्तों में सिर्फ मूल, व्याज जाए बिल्कुल भूल` आदित्य विजन के निदेशक निशांत प्रभाकर ने बताया कि यहां 36 आसान लम्बी मासिक किश्तों पर व्याज मुक्त फाइनांस की सुविधा हम देते है और टेबिट कार्ड द्वारा पेपर लेस फायनांस की सुविधा उपलब्ध करा रहे है आदित्य विजन ग्राहकों को जीरो रूपए डाउन पेमेंट पर मनचाहा प्रोडक्ट पर ले जाने के साथ हाथों - हाथ डिलीवरी तथा मोबाईलो पर सुपर एक्सचेंज ऑफर मुहैया करा रही है, जिसके अंतर्गत ग्राहक अपने पुराने किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की अच्छी कीमत पाकर नया ले जा सकते हैं` यहां प्रतिष्ठित

का एचडीएफसी आईडीएफसी फर्स्ट, आईसीआईसीआई तथा बजाज द्वारा हाथों-हाथ आसान किश्तों में सभी उपकरणों के लिए लोन की सुविधा उपलब्ध है इसके अंतर्गत बजाज फायनेंस के ग्राहको के लिए एक ईएमआई आदित्य विजन देगी साथ अपने ग्राहकों के लिए रू 17500 तक का कैशबैक दे रही है। ग्राहक मात्र 1रु के डाउन पेमेंट पर अपनी पसंद के कोई भी उपकरण पर ले जा सकते हैं इसके अतिरिक्त 10 प्रतिशत तक इस्टेंट डिस्काउंट भी दिया जा रहा है तथा यह ऑफर क्रेडिट एवं डेबिट कार्ड पर लागू है आदित्य विजन अपने चाहकों को 20 प्रतिशत तक का कैशबैक भी दे रही है।

आदित्य विजन बिहार झारखंड एवं उत्तर प्रदेश का इलेक्ट्रॉनिक रिटेल चन है जो आज के समय में प्रायः सभी सम्मानित कम्पनियों के होम उपकरण जैसे - एलजी सैमसंग मोनी कर्तपूल वोल्टास हिताची साईकिन ब्लू स्टार, हावेल्स, सॉयड, हायर, गोदरेज, टीसीएल, पानासोनिक, आईएफबी, सिम्फोनी, केनस्टार बजाज कॅरियर ओ जेनेरल बोस, माफ रिचर्ड उषा, स्मिथ, रेकॉल्ड, बीगो फेबर, फिलिप्स, बीगार्ड कट मिनरल आरओ, आसूस तथा लैपटॉप एवं स्मार्टफोन श्रृंखला एचपी, डेल, एस्सार, नोकिया, एप्पल, सैमसंग वीयो रेडमी, ओप्पो, रियलमी इत्यादि एप्लाएंसेजों का संगम स्थल है।

आदित्य विजन अत्यधिक रियायती दरों पर आईफोन, सैमसंग, वीवो ओपो एप्पल साथ तथा लैपटॉप दे रही है तथा इसके साथ ही 2499 रूपए का किसी भी लैपटॉप के साथ वायरलेस की बोर्ड एवं माउस फ्री दे रही है आदित्य विजन ऐसा प्रतिष्ठान है, जहाँ ग्राहकों को उनकी पसंद के अनुसार सभी ब्राण्डों का हर प्रकार के होम एप्लाएंसेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि अच्छी कीमतों में प्राप्त होंगे आदित्य विजन के ग्राहक हेल्पलाईन आदित्य सेवा के अधिकारी सप्ताह के सातों दिन ग्राहकों की मदद के लिए उपस्थित रहते हैं आदित्य विजन की विशेषता इसके उच्च स्तरीय कुशल स्टाफ का होना तथा राही सामान, कम कीमत, एक्सचेंज की उचित सुविधा एवं सेम डे फ्री होम डिलेवरी ,इंस्टालेशन है जो आज के समय में विरले उपलब्ध है अपने अधिक से अधिक सम्मानित ग्राहकों को मित्रवत सेवा तथा अधिक जानकारी के लिए आदित्य विजन का अदित्य सेवा नं0 9955555544 उपलब्ध है। आदित्य विजन अपने सालाना पुरस्कार ऑफर बाई एड दिन के तहत विगत 14 सालों से ग्राहकों के बीच करोड़ो के पुरस्कार का वितरण कर चुकी है विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी खरीदें और जीतें मेगा पुरस्कार योजना के अंतर्गत 12 करोड़ का ईनाम दिया जा रहा है` यह पुरस्कार योजना इस वर्ष 2023 तक 1 जनवरी से 30 दिसम्बर 2023 के लिए किया गया है जिसमें खरीदें और जीतें 2023 में मेगा पुरस्कार में वाराणसी बिहार एवं झारखंड में एक-एक अपना सपनों का घर जीतने का मौका' के साथ प्रथम पुरस्कार के रूप तथा द्वितीय पुरस्कार में मोटर बाईक रखे गये हैं।

संक्षिप्त खबरें

रामपुर पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम में दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, कब्जे से एक मैजिक वाहन व दो गौवंश बरामद

प्रखर रामपुर जौनपुर। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाएं जा रहे अभियान के क्रम में रामपुर थानाध्यक्ष चन्दन कुमार राय मय हमराह द्वारा संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग की जा रही थी कि सहनपुर नहर पुलिया के पास एक मैजिक गाड़ी तेजी से रामपुर की ओर आते हुए दिखाई दी, मैजिक को रोका गया मैजिक में आगे बैठे व्यक्तियों से नाम पता पूछा गया। पीछे बैठे तीन व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर कूद कर भाग गए। मैजिक के अन्दर देखा गया तो गाड़ी में दो गौंवशों को क्रूरता पूर्वक बांधा गया था। अभियुक्त उपरोक्त को उसके किये गये अपराध का बोध कराते हुये मु0अ0सं0 121/23 धारा 3/5अ/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम बनाम 05 अभियुक्तगण के पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तो में मणिशंकर मिश्रा उर्फ रिंकू पुत्र चुगुद्दू मिश्रा निवासी परियत (टिकरान) थाना बरसठी जौनपुर व राकेश माली पुत्र मुरली माली निवासी परियत (मलियान) थाना बरसठी जौनपुर है, जिन्हे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

अंसारी गिरोह के सहयोगी जाकिर हुसैन उर्फ विक्की की डेढ़ करोड़ की संम्पत्ति कुर्क

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शासन द्वारा चिन्हित अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दिनांक 11 जून 23 को थानाध्यक्ष/विवेचक थाना जंगीपुर जनपद गाजीपुर द्वारा प्रेषित आख्या पर पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा की गई संस्तुति के आधार पर जिलाधिकारी महोदया गाजीपुर के द्वारा पारित कुर्की आदेश के अंतर्गत धारा 14(1) उत्तर प्रदेश गिरोह बंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 के तहत आईएस-191 गैंग का सरगना मुख्तार अंसारी का सहयोगी/ सदस्य अभियुक्त जाकिर हुसैन उर्फ विक्की पुत्र सफाअत हुसैन निवासी मुस्तफाबाद थाना कोतवाली गाजीपुर की अनुमानित बाजारू कीमत 1 करोड़ 50 लाख रुपए की अचल संम्पत्ति को कुर्क कर जब्तीकरण किया गया ।उल्लेखनीय है कि अभियुक्त द्वारा एक गिरोह बनाकर लोक व्यवस्था को अस्त-व्यस्त करने व अपने तथा अपने गैंग के सदस्यों के लिए आर्थिक, भौतिक व अन्य दुनियाबी लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से आपराधिक कार्य तथा समाज विरोधी क्रिया कलाप से अर्जित बेनामी अचल संपत्ति का विवरण निम्नलिखित है- दिनांक 16 मार्च 10 को अपने नाम से मौजा मुस्तफाबाद ,शहर गाजीपुर परगना व तहसील गाजीपुर के नगरपालिका संख्या-14 व 16 में रकबा 211.03 वर्ग मीटर भूमि क्रय किया है । यह बताते चलें अपराधी के ऊपर विभिन्न स्थानों में कई मुकदमे लंबित हैं।

पीजी कॉलेज में 30 जून तक भरे जाएंगे प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन फार्म

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सभी विषयों में प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन फार्म भरें जाने की तिथि छात्र झ छात्राओं एवं अभिभावकों के मांग पर एक बार पुनः बढ़ा कर 30 जून 2023 कर दी गयी है।प्रवेश फॉर्म को लेकर प्राचार्य प्रोफे० डॉ०राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि महाविद्यालय में आगामी सत्रः 2023-24 में प्रवेश लेने के लिए प्रतीक्षारत छात्र- छात्रायें अपना प्रवेश परीक्षा आवेदन फार्म स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर की वेबसाइट पर 25 जून 2023 तक भरने की समय सीमा को छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों की मांग पर एक बार पुनः बढ़ा कर 30 जून कर दी गयी है। अब छात्र-छात्राओं को फॉर्म भरने के लिए 30 जून तक कॉलेज वेबसाइट पर आवेदन करने का विकल्प मिलेगा। प्रोफेसर पाण्डेय ने बताया कि छात्र-छात्राएं चयनित विषय में एडमिशन लेने के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा फार्म भरने के उपरांत प्रवेश परीक्षा हेतु परीक्षा शुल्क भी कॉलेज की वेबसाइट के माध्यम से ही आनलाईन जमा करेंगें। आनलाईन आवेदन करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को प्रवेश फॉर्म की हार्ड कॉपी महाविद्यालय में जमा करने की कोई आवश्यकता नहीं रहेगी। छात्र छात्राओं को ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरने में किसी भी तरह की तकनीकी समस्या की दशा में समस्या समाधान हेतु कार्यालय अवधि में महाविद्यालय कार्यालय में आकर या वेबसाइट पर दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। प्रवेश पत्र डाउनलोड, प्रवेश परीक्षा तिथि, प्रवेश परीक्षा परिणाम, काउन्सलिंग आदि सूचनाएं आवश्यकतानुसार समय झ समय पर महाविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएंगी।

सवाल से गुस्से में आये उपभोक्ता का मोबाइल तोड़ा

पिंडरा। पिंडरा विद्युत उपकेंद्र पर रविवार को कनेक्शन लोड के बाबत जानकारी लेने पहुचे उपभोक्ता से दुर्व्यवहार करने का मामला प्रकाश में आया है। इस दौरान गुस्से में आये एसडीओ ने उपभोक्ता का मोबाइल तोड़ कर। फूलपुर के रामपुर (सुखदेवपुर) निवासी राकेश पाल सुबह 11 बजे उपकेंद्र पिंडरा पहुचा और एसडीओ से कनेक्शन पर लोड के बाबत जानकारी ले रहा था। इसी बात को लेकर एसडीओ और उपभोक्ता के बीच तू तू मैं मैं हो गई उसी बीच उपभोक्ता वीडियो बनाने लगा। जिसपर एसडीओ को नागवार लगा और उसके मोबाइल को तोड़ दिया। मौके पर पहुची पीआरवी भी थाने पर जाने की सलाह देकर लौट गई। थाने पहुचने पर क्षेत्रीय दरोगा अमित यादव ने भी प्रार्थना पत्र लेने से इनकार करते हुए बिजली विभाग में जाने की सलाह दी। जिसपर जब उसने थानाध्यक्ष दीपक कुमार से गुहार लगाई तो उन्होंने प्रार्थना पत्र लेने का निर्देश दिया। उसके बाद प्रार्थना पत्र लेने के बाद सक्रिय हुई। इस बाबत थानाध्यक्ष ने कहाकि जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज होगी। वही एसडीओ संजीव कुमार ने उसके उलट उपभोक्ता पर बतमीजी करने का आरोप लगाया। और मोबाइल तोड़ने से इनकार किया।

रहमान के गाने के बाद इलैया ने नहीं दिया मौका : मिनमिनी

हैदराबाद। साल 1992 में एआर रहमान की ओर से कंपोज किया गया गाना 'चिन्ना चिन्ना आसाई' काफी सुपरहिट हुआ था। इस गान को मिनमिनी ने गाया था। हाल ही में इस गानो को लेकर सिंगर ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि एआर रहमान के साथ काम करने के बाद उन्होंने इलैयाराजा के साथ दोबारा काम करने का मौका गंवा दिया। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि वह केवल 1991 से 1994 तक एक गायिका के रूप में सक्रिय थीं। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि 'रोजा' से 'चिन्ना चिन्ना आसई' गाने के बाद उन्हें कम मौके मिले। मिनिमिनी ने कहा कि उन्हें इलैयाराजा के लिए गाने के बहुत मौके मिले, लेकिन एआर रहमान के लिए गाने के बाद दुनिया बदल गई।

लाइफ Style

इलियाना बताई ख्वाहिश

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज अक्सर खबरों में बनी रहती हैं। इलियाना अपने सोशल मीडिया पर अक्सर अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आती हैं और बता रही हैं कि वह किस तरह मातृत्व का आनंद ले रही हैं। हाल ही में, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक सवाल-जवाब सेशन शुरू किया, जिसमें उनके प्रशंसकों ने उनसे उनकी गर्भावस्था की इच्छा और वजन बढ़ने के बारे में पूछा।

इलियाना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई फैंस के सवालों के जवाब दिए। एक यूजर ने उनसे उनकी अजीब गर्भावस्था की लालसा के बारे में पूछा, जिस पर इलियाना डिक्रूज ने जवाब दिया, 'बैग से सीधे मिनी गाजर'। वहीं, दूसरे प्रशंसक ने उनसे पूछा, आप सबसे ज्यादा आइसक्रीम या पिज्जा किस चीज के लिए तरस रहे हैं? एक्ट्रेस ने जवाब दिया कि वह अच्छे भारतीय खाने के लिए तरस रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने काफी समय से बटर चिकन और नान नहीं खाया है और उन्हें बॉम्बे फूड की याद आती है। एक अन्य प्रशंसक ने उनसे पूछा कि क्या वह बढ़ते वजन को लेकर चिंतित हैं, इलियाना ने स्वीकार किया कि यह सवाल शुरू में उन्हें परेशान करेगा क्योंकि बहुत सारे लोग वजन बढ़ने पर टिप्पणी करेंगे। उन्होंने आगे कहा, "मुझे अच्छा लगा कि पिछले कुछ महीनों में मेरे शरीर में कैसे बदलाव आया है। यह एक ऐसी चमत्कारी अद्भुत विनम्र यात्रा है।" उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे भी दिन आते हैं, जब उन्हें अच्छा महसूस नहीं होता, लेकिन उनके पास बेहतरीन सपोर्ट सिस्टम है इसलिए वजन बढ़ने से कोई फर्क नहीं पड़ता। इलियाना डिक्रूज ने अभी भी इस बात को रहस्य बनाकर रखा है कि उनके बच्चे का पिता कौन है, लेकिन उन्होंने हाल ही में अपने बेबीमून की तस्वीरें शेयर कीं जिसमें वह अपने मिस्ट्री मैन के साथ एन्जॉय कर रही थीं।

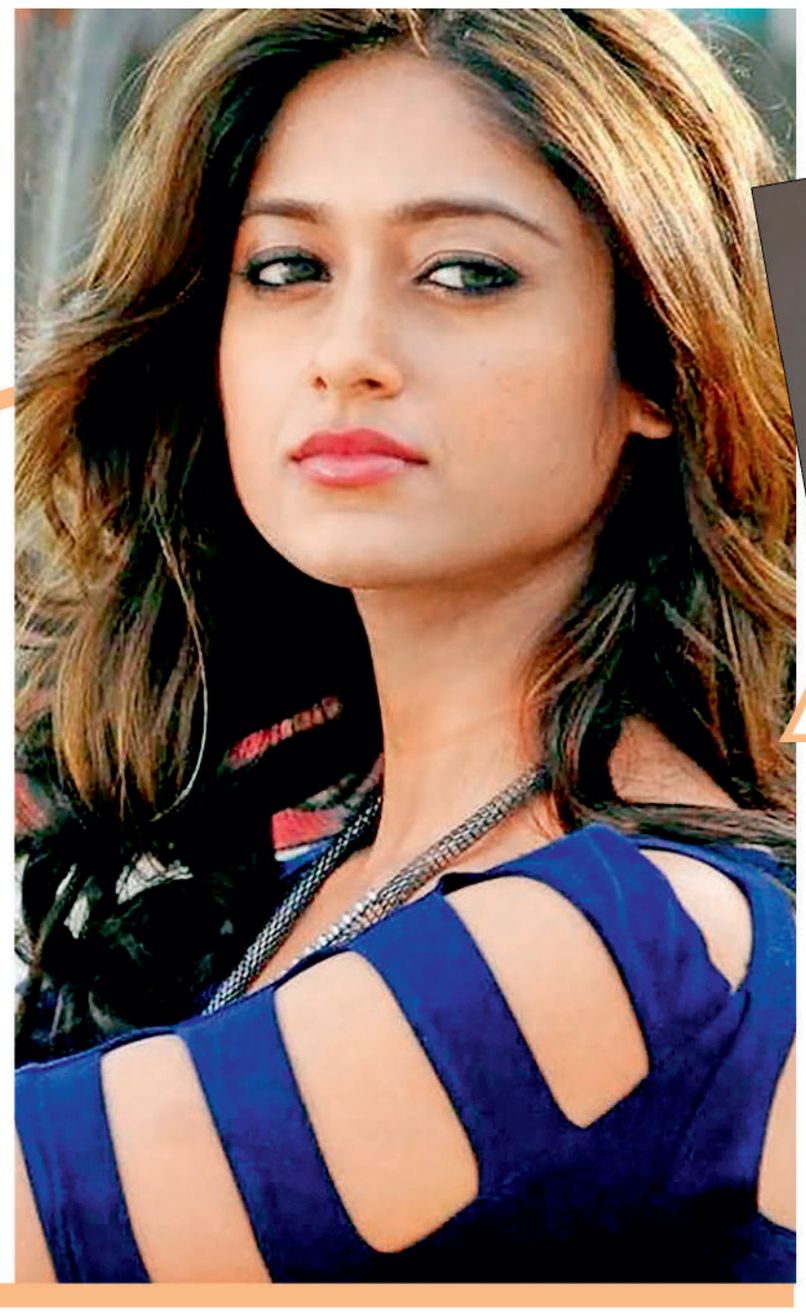

हॉलीवुड मसाला

कोरियाई गायक सुंग नहीं रहे

सियोल। दक्षिण कोरियाई गायक चोई सुंग बोंग की 33 वर्ष की आयु में दक्षिण कोरिया के सियोल में मौत हो गई। बताया गया है कि मंगलवार सुबह 9:41 बजे के-पॉप मूर्ति दक्षिणी सियोल के येओकसम-डोंग जिले में अपने घर में मृत पाए गए।

दक्षिण कोरियाई गायक चोई सुंग बोंग की 33 वर्ष की आयु में दक्षिण कोरिया के सियोल में मौत हो गई। बताया गया है कि मंगलवार सुबह 9:41 बजे के-पॉप मूर्ति दक्षिणी सियोल के येओकसम-डोंग जिले में अपने घर में मृत पाए गए।

केट ने निभाया अवतार-2 में रोनल का किरदार...

लॉस एंजेलिस। अकादमी पुरस्कार विजेता जेम्स कैमरून की फिल्म 'अवतारः द वे ऑफ वाटर' थियेटर के बाद ओटीटी प्लेटफार्म पर भी धूम मचा रही है। यह फिल्म महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो भूमि के संरक्षण से लेकर शक्तिशाली विरासत चरित्र से परिभाषित करती है और अपने लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ती हैं। इस फिल्म में रोनल एक ऐसी महिला है,, जो अपने कबीले के सारे प्रमुख निर्णय खुद ही लेती है। फिल्म में रोनल का किरदार केट विंसलेट ने निभाया है। रोनल साहस और दयालुता की एक प्रतीक है। वह पंडोरा की रक्षा के लिए अंतिम संघर्ष तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वह अपने कर्मों से महान कूटनीति और दृढ़ विश्वास का भी प्रदर्शन करती है, जो सभी पात्रों को उनके मतभेदों के बावजूद एकजुट करती है।

'लस्ट स्टोरीज-2' में निभाएंगे दादी मां

मुंबई। 'लस्ट स्टोरीज 2' का ट्रेलर कुछ दिन पहले रिलीज हुआ था। 'लस्ट स्टोरीज 2' में नीना गुप्ता दादी मां की भूमिका निभाती नजर आ रही हैं और ट्रेलर में उनके क्रूर व्यक्तित्व की एक झलक देखने को मिली, जिसमें वह अंगद और मृणाल को सलाह देती नजर आ रही हैं। वह उनसे कहती नजर आ रही हैं कि एक छोटी सी गाड़ी लेने से पहले टेस्ट ड्राइव करते हो ना तो शादी से पहले कोई टेस्ट ड्राइव नहीं? अब हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में नीना गुप्ता ने इस बारे में खुलासा किया है कि उन्होंने स्क्रीन पर 'दादी मां' का किरदार निभाने का फैसला क्यों किया और उनका मानना है कि उनकी भूमिका ने यौन संबंधों के बारे में बातचीत शुरू कर दी है। हाल ही के एक इंटरव्यू में नीना गुप्ता से पूछा गया कि उन्होंने 'लस्ट स्टोरीज 2' में खुशी-खुशी दादी मां का किरदार क्यों चुना।

दिल्ली में बढ़ी व्यस्तता दिखा नया लुक

नई दिल्ली। अभिनेता रितेश देशमुख राजधानी दिल्ली में केन्द्रीय विश्वविद्यालय जामिया मिल्लिया इस्लामिया में शूटिंग करते नजर आए हैं। एक्टर की शूटिंग करने की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

अभिनेता रितेश देशमुख राजधानी दिल्ली में केन्द्रीय विश्वविद्यालय जामिया मिल्लिया इस्लामिया में शूटिंग करने के दौरान नजर आए हैं। एक्टर की शूटिंग करने की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वायरल हो रही इन तस्वीरों के चलते उनकी आने वाली फिल्म का लुक भी इंटरनेट पर लीक हो गया। लीक हुए वीडियो में इंजीनियरिंग विभाग के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के बाहर रितेश देशमुख और कई पुलिस वाले खड़े नजर आ रहे हैं।

टीवी मसाला

दीपिका-शोएब के घर गूंजी खुशियों की किलकारी...

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ के घर खुशियों की दस्तक हुई है। अभिनेत्री मां बन गई हैं। उन्होंने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है। दीपिका कक्कड़ के पति ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। टीवी स्टार शोएब इब्राहिम ने बताया है कि उनके घर एक बेटे का जन्म हुआ है। एक्टर ने बताया कि आज सुबह 21 जून के दिन उनके घर एक बेटे का जन्म हुआ है। हालांकि यह एक प्री-मैच्योर डिलीवरी थी। हालांकि घबराने की कोई बात नहीं है सबकुछ ठीक है। इस गुडन्यूज के बाद अदाकारा दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम के फैंस के बीच खुशियों की लहर है। बता दें कि डॉक्टर्स ने दीपिका को जुलाई के तीसरे या चौथे हफ्ते की तारीख दी थी। दीपिका ने अपने व्लॉग में इस बात की जानकारी दी थी। अब दीपिका ने प्रीमैच्योर डिलीवरी से बेटे को जन्म दिया है। शोएब ने मंगलवार को अपने इंस्टा पोस्ट पर जन्मदिन के केक की तस्वीर के साथ लिखा, 'यह पापा टू बी है और इंशाअल्लाह मैं जल्द ही अपने जीवन के एक नए चरण में प्रवेश करूंगा। मैं और अधिक इंतजार नहीं कर सकता हूं। आपकी शुभकामनाओं और प्यार के लिए धन्यवाद।'

टीवी एक्टर के टैग ने बर्बाद कर दिया करियर

मुंबई। टीवी जगत के जाने माने अभिनेता विवेक दहिया लंबे ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने 'ये हैं मोहब्बतें', 'कवच-काली शक्तियों से' और 'कयामत की रात' जैसे कई टीवी शो में अभिनय किया है। उन्होंने कई फेमस वेब शो में भी काम किया है। इन सब के बावजूद आज भी विवेक पर टीवी एक्टर का टैग लगता है। अब अभिनेता ने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए अपना दर्द बयां किया है। पिछले दिनों खबर आई थी कि विवेक जल्द ही बॉलीवुड में नजर आने वाले हैं। दरअसल, विवेक 'चल जिंदगी' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। यह फिल्म एक रोड ट्रिप पर आधारित है। हालांकि, छोटे पर्दे से लेकर बॉलीवुड तक विवेक का सफर आसान नहीं था। शो 'ये हैं मोहब्बतें' के बाद विवेक को काम मिलना बंद हो गया था और लंबे समय तक उन्हें खाली बैठना पड़ा था।

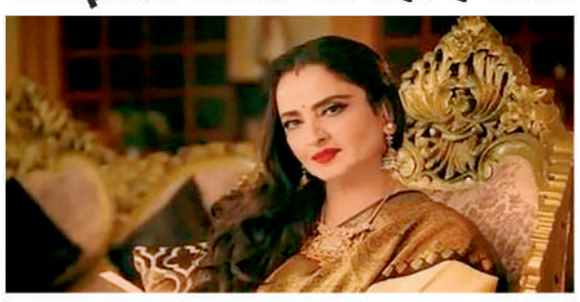

मोहब्बत और फर्ज का मतलब समझाती नजर आ रहीं है रेखा

मुंबई। अभिनेत्री रेखा स्टार प्लस के लोकप्रिय शो 'गुम हैं किसी के प्यार में' में एक विशेष भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक्ट्रेस एक एपिसोड में शो के कलाकारों का परिचय कराएंगी। शो के नए प्रोमो में रेखा कैनवास पर पेंटिंग करती और प्यार के बारे में बात करती नजर आ रही हैं। उन्होंने एक रिश्ते में सम्मान के महत्व को भी व्यक्त किया और प्यार और इसकी जटिलताओं पर अपने विचार साझा किए और बताया कि कैसे कभी-कभी कोई परिवार के लिए अपने प्यार का बलिदान कर देता है। निर्देशक सिद्धार्थ जेन्ना ने रेखा के साथ काम करने के बारे में खुलकर बात की और एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, "एक किंवदंती होने के अलावा उनके पास एक अठारह वर्षीय लड़की का दिल है। रेखाजी एक निर्देशक की ड्रीम अभिनेत्री हैं।" उन्होंने आगे कहा कि जब मुझे पता चला कि मुझे रेखाजी का निर्देशन करना है तो मैं बहुत उत्साहित और उत्साहित हो गया। कड़ी मेहनत, जुनून और समर्पण ही सफलता की कुंजी है। कुछ भी आसानी से नहीं मिलता।

दक्षिण फिल्म इंडस्ट्री के सबसे खूंखार विलेन

चेन्नई। किसी भी फिल्म को सफल बनाने में जितना बड़ा रोल हीरो का होता है, उतना ही बड़ा विलेन का भी होता है। केवल एक हीरो के किरदार से किसी भी फिल्म को हिट बनाना असंभव है। बॉलीवुड से लेकर साउथ इंडस्ट्री तक हर कोई हीरो बनने का सपना संजोए आता है, लेकिन आज के इस लेख में हम आपको कुछ खतरनाक विलेन्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने फिल्मों में अपने नकारात्मक किरदार को इतनी शिद्दत से निभाया कि उन्हें दर्शकों की खूब गालियां मिली है।

प्रकाश राज

अभिनेता प्रकाश राज न केवल बॉलीवुड बल्कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री का जाना माना नाम हैं। जब भी किसी खतरनाक विलेन की बात होती है, उसमें प्रकाश राज का नाम जरूर लिया जाता है। अभिनेता को पॉपुलैरिटी उनके फैंस के बीच इतनी ज्यादा है कि कई लोग फिल्में सिर्फ प्रकाश राज के नकारात्मक किरदार की वजह से देखने जाते हैं।

आशीष विद्यार्थी

बॉलीवुड अभिनेता आशीष विद्यार्थी इन दिनों अपनी दूसरी शादी को लेकर सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। कई लोग उनके इस फैसले की सराहना कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ कुछ यूजर्स उन्हें ट्रोल करने से बाज भी नहीं आ रहे हैं। आपको बता दें कि आशीष भी अपने विलेन के किरदार को लेकर खूब चर्चा में रहते हैं। दर्शक उनकी फिल्में देखना बहुत पसंद करते हैं।

नास्सर

साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नास्सर बॉलीवुड में भी अपने अभिनय का दमखम दिखाने में कामयाब हुए हैं। नास्सर को 'बाहुबली' फिल्म में भल्लालदेव के पिता के किरदार में आपने देखा था। इस फिल्म के बाद अभिनेता की लोकप्रियता में काफी बढ़ोतरी हुई है। ऑडियंस फिल्मों में उनके नेगेटिव किरदार को काफी पसंद करते हैं।

राणा दग्गुबाती

फिल्म 'बाहुबली' से शोहरत पाने वाले अभिनेता राणा के नेगेटिव किरदार को शायद ही दर्शक भूल सकते हैं। इसके अलावा राणा दग्गुबाती कई फिल्मों में नकारात्मक किरदार निभा चुके हैं। राणा की सोशल मीडिया पर भी काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। फैंस अभिनेता के लुक्स और स्टाइल को भी काफी फॉलो करते हैं।

आज जयंती : आज भी संगीत रसिकों के सिर चढ़ कर बोलता है प्रख्यात संगीतकार मदन मोहन के संगीत का माधुर्य

संगीत के बेताज बादशाह थे मदन, बहन लता ने निभाया ये वादा

मुंबई। संगीतकार मदन मोहन के बारे में संगीतकार खय्याम का कहना है कि वे संगीत के बेताज बादशाह थे। संगीत की जितनी विविधताएं होती हैं, उन सबका

- अमीर घराने में पैदा हुए मदन मोहन ने अपनी अलग पहचान बनाई

उन्हें गहरा ज्ञान था एवं इसकी समझ थी। जबकि उन्होंने शास्त्रीय अथवा सुगम संगीत का बाकायदा कोई प्रशिक्षण नहीं लिया था। 'आंधी', 'मदहोश', 'अंजाम' जैसी फिल्मों में संगीत देने वाले मदन मोहन जिस पहचान के हकदार थे वो उन्हें हासिल नहीं हो पाई। 25 जून 1924 यानी आज उनका जन्म इराक में हुआ था। ऐसे तो काफी कम ही लोग मदन मोहन के बारे में जानते होंगे। मदन मोहन मुंबई में मैरीन लाइंस में जहां रहा करते थे वहीं बगल की कोठी नरगिस की मां जद्दन बाई की थीं। मदन मोहन रोज शाम को उनके घर जद्दन बाई का गाना सुनने जाते थे। संगीत की समझ मदन मोहन को वहां से ही मिली। इसी दौरान उनकी दोस्ती नरगिस से भी गहरी हो गई थी। मदन मोहन के चेहरे और उनके कद से वो एकदम हीरो की तरह दिखते थे। लंबा, गोरा, खूबसूरत तराशा हुआ चेहरा, बलिष्ठ शरीर और बुलंद आवाज। जाहिर है अपने अच्छे दोस्त राज कपूर की तरह

वो भी एक अभिनेता बनना चाहते थे, पर उनके पिता ने इसके लिए सख्त मना कर दिया। वे चाहते तो बेटे को तगड़ा ब्रेक दिला सकते थे पर पिता ने यह करने के बजाय मदन मोहन को फौज में भेज दिया। मदन मोहन के पिता चाहते थे कि वो फौज में भर्ती हो जाए। और उन्होंने अपने पिता की इस इच्छा को पूरा भी किया। लेकिन दो साल यहां काम करने के बाद वो फिर लखनऊ आ गए। जहां पर उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो में काम करना शुरू कर दिया। यहां पर उनकी मुलाकात बेगम अख्तर, विलायत खान, तलत महमूद जैसी नामी हस्तियों से हुई। इस दौरान मदन मोहन के मन में संगीतकार बनने की चाह उठी। जब पहली बार उनके पिता ने उनका दिया संगीत सुना तो वो भावुक हो गए। बस फिर क्या था पिता ने संगीत में अपना करियर बनाने की इजाजत दे दी।

मदन को राखी बांधती थीं लता

लता और मदन मोहन के रिश्ते के जुड़ने की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। उस दिन रक्षाबंधन था। मदन मोहन इस बात से बेहद दुखी थे कि उनकी पहली फिल्म में लता मंगेशकर कोई गाना नहीं गा सकी थीं। मदन मोहन, लताजी को अपने घर ले आए और एक राखी देते हुए कहा- आज राखी है। इसे मेरी कलाई पर बांध दो। इसके बाद मदन मोहन ने लताजी को याद दिलाते हुए कहा- जब हम पहली बार मिले थे तब हमने भाई-बहन का ही गीत गाया था। आज से तुम मेरी छोटी बहन और मैं तुम्हारा मदन भैया। मैं वचन देता हूं, आज से तुम अपने भाई की हर फिल्म में गाओगी।

रूढ़िवादी निवेशकों के लिए इक्विटी सेविंग्स फंड बेहतर

सुझाव | बिजनेस डेस्क

- शेयर बाजारों में इस समय रोज रिकार्ड बन रहे
- बैंकों का रिटर्न इनफ्लेशन को भी मात नहीं दे पा रहा
- ऐसे में रूढ़िवादी निवेशकों के लिए इक्विटी सेविंग्स सही ठिकाना
- इनमें सुरक्षा के साथ मिलेगा बढ़िया रिटर्न

शेयर बाजार में इस समय चहुं ओर तेजी दिखाई दे रही है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स लगतार रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहा है। बाजार में उतार-चढ़ाव जारी है। ऐसे में बैंक एफडी या पारंपरिक तरीके से निवेश कर कमाई करने वाले इनवेस्टर्स का भी मन डोल रहा है। विशेषज्ञ बताते हैं कि रूढ़िवादी निवेशकों के लिए हाइब्रिड म्युचुअल फंड में कई ऑफर्स हैं। उपलब्ध विकल्पों में से एक इक्विटी सेविंग्स फंड भी है जो रूढ़विादी निवेशकों के लिए बेहतर उत्पाद है।

क्या है इक्विटी सेविंग्स फंड

इक्विटी सेविंग्स फंड एक ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड स्कीम है। यह लंबे समय में आय पैदा करने और धन बनाने के दौरान बचत की सुविधा प्रदान करती है। एक श्रेणी के रूप में ये फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प के रूप में उभरे हैं जो रूढ़वादी हैं और जो दो तीन साल तक निवेश करना चाहते हैं। इंपीरियल वैल्यू सर्विस के सीईओ सतीश पांडे बताते हैं कि म्यूचुअल फंड स्कीमों के वर्गीकरण के तहत मार्केट रेगुलेटर सेबी ने साल 2017 में इक्विटी बचत फंड की श्रेणी अनिवार्य रूप से इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज में निवेश का फैसला किया था। यही विशेषता उन्हें हाइब्रिड फंडों से अलग करती है।

कितना होता है आवंटन

इक्विटी सेविंग्स फंड में नियमानुसार इक्विटी और इससे जुड़े साधनों में कम से कम 65% निवेश करना चाहिए। डेट प्रोडक्ट में भी 10% से कम का आवंटन नहीं होना चाहिए। फंड की प्रकृति को देखते हुए, नियमित इक्विटी फंड या आक्रामक हाइब्रिड फंड श्रेणियों की तुलना में एक इक्विटी बचत श्रेणी की पेशकश नकारात्मक जोखिम को रोकने के लिए बेहतर है। दूसरी ओर, इस तरह के फंड न केवल नियमित डेट फंड या पारंपरिक वित्तीय निवेश के रास्ते की तुलना में अधिक रिटर्न देते हैं, बल्कि वे कर दक्षता के मामले में भी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। इस श्रेणी में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी सेविंग्स फंड है, जो बेहतर प्रदर्शन करता है।

रिटर्न बढ़िया साथ ही सुरक्षा

इस फंड का उद्देश्य निवेशकों को उनके अल्पकालिक निवेश उद्देश्यों को पूरा करने के लिए निरंतर, स्थिर और जोखिम-समायोजित रिटर्न देना है। पोर्टफोलियो में इक्विटी वाला हिस्सा पूंजी में बढ़ोतरी करता है, जबकि डेट और आर्बिट्राज वाला हिस्सा स्थिर रिटर्न देता है। इससे पोर्टफोलियो में स्थिरता रहती है और नकारात्मक पक्ष की सुरक्षा में मदद मिलती है।

फंड मैनेजर की पसंदगी क्या है

आम तौर पर, इक्विटी एलोकेशन के लिए फंड मैनेजर ब्रॉडर मार्केट में लार्ज कैप पसंद करते हैं। लेकिन, जब डेट की बात आती है, तो आवंटन एएए रेटेड पेपर या कम अवधि वाली सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में होता है। इसके अलावा, मध्यस्थता के माध्यम से, योजना के फंड मैनेजर इक्विटी बाजार के नकद और डेरिवेटिव सेगमेंट में मूल्य निर्धारण क्षमता का फायदा उठाने का प्रयास करते हैं। इसके परिणामस्वरूप एक निश्चित सीमा तक इक्विटी जोखिम की हेजिंग होती है जबकि अस्थिरता को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

बढ़ रहा निवेशकों का आकर्षण, हो रहे फायदे

स्मॉल कैप फंड पांच साल में कर सकते हैं पैसे डबल

स्मॉल-कैप फंड उन स्मॉल-कैप कंपनियों में निवेश करता है जो फिलहाल ज़्यादा संभावित विकास चरण से गुजर रही हैं, लेकिन उतने ही जोखिम से भी भरी हैं। ज़्यादा स्थिर लार्ज-कैप शेयरों के विपरीत, स्मॉल-कैप शेयर कहीं ज़्यादा अस्थिर हो सकते हैं। इस समय म्यूचुअल फंड निवेशकों का जोर स्मॉलकैप फंड्स की तरफ बढ़ रहा है। मई में भले ही इक्विटी इनफ्लो 50 फीसदी घट गया है, लेकिन दूसरी ओर निवेशक स्मॉकैप शेयरों में जमकर पैसा लगा रहे हैं। मंथली बेसिस पर स्मॉलकैप फंड में निवेश 50 फीसदी बढ़कर 3282 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं ओवरआल इक्विटी म्यूचुअल फंड में होने वाला निवेश एम्फी के डाटा के अनुसार मई के महीने में आधा होकर 3,240 करोड़ रुपये रह गया। फिलहाल स्मॉलकैप में जमकर खरीदारी के चलते इन स्कीम का शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म रिटर्न भी बेहतर हुआ है। बीते 5 साल में कुछ स्कीम ने निवेशकों का पैसा डबल या डबल से भी ज्यादा कर दिया है। इस रिपोर्ट में हम ऐसे ही कुछ स्माल कैप फंड्स के बारे में बताएंगे जो बेहरीन रिटर्न दे रहे हैं या आगे भी देसकते हैं।

बाजार के लिए आउटलुक बेहतर

बाजार के जानकारों का कहना है कि आगे बाजार के लिए आउटलुक बेहतर आ रहे हैं। मैक्रो कंडीशंस और ग्रोथ इंडीकेटर्स में लगातार सुधार के संकेत मिल रहे हैं। ऐसे में निवेशकों को मिडकैप और स्मालकैप में हाई रिटर्न जेनरेट होने की पूरी उम्मीद है। इसी वजह से भी स्मालकैप फंड्स पर निवेशकों का ज्यादा जोर है।

मौके भी बहुत

स्मालकैप और मिडकैप में अवसर भी बहुत ज्यादा हैं। इस सेग्मेंट में बहुत सी ऐसी कंपनियां हैं जो अपनी क्षमता के लिहाज से अंडरवैल्यूड हैं। आकर्षक वैल्युएशन पर ट्रेड कर रहे इनके शेयरों में अच्छी खासी ग्रोथ की संभावनाएं हैं। इसी वजह से निवेशक खासतौर से स्मालकैप की ओर शिफ्ट हुए हैं, इनमें रिस्क जरूर लार्जकैप से ज्यादा है, लेकिन लंबी अवधि में ये स्कीम हाई रिटर्न जेनरेट कर सकती हैं।

1 साल की बेस्ट परफॉर्मिंग स्कीम

- एचडीएफसी स्मालकैप: 44.68%
- फ्रैंकलिन आईएनडी स्मालर कंपनीज: 40.36%
- निप्पॉन इंडिया स्मालकैप: 39%
- टाटा स्मालकैप: 38.90%
- क्वांट स्मालकैप: 38.54%

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड क्या हैं

स्मॉल कैप इक्विटी फंड भारत की सबसे छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं। ये कंपनियां शीर्ष 250 कंपनियों से परे हैं और हमारे दैनिक जीवन में ज्यादातर अनसुनी हैं। जबकि वे शानदार रिटर्न दे सकते हैं, स्मॉल कैप कंपनियां अविश्वसनीय रूप से अस्थिर हैं, और आप लघु से मध्यम अवधि में नुकसान देख सकते हैं।

क्या एक्सपेंस रेश्यो

टोटल एक्सपेंस रेश्यो(टीईआर) वो रकम या फीस है, जो म्यूचुअल फंड चलाने वाली एसेट मैनेजमेंट कंपनी आपके निवेश को सही ढंग से मैनेज करने के एवज में आपसे वसूल करती है। इसमें उसकी ऑपरेटिंग कॉस्ट, मसलन-एडमिनिस्ट्रेटिव फीस, मैनेजमेंट फीस और मार्केटिंग के खर्चों समेत तमाम तरह के खर्च शामिल हैं। टीईआर को म्यूचुअल फंड की नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) के प्रतिशत के रूप में बताया जाता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो एक्सपेंस रेश्यो रिटर्न का वो प्रतिशत है, जो आप अपने निवेश को मैनेज करने के लिए एएमसी को देते हैं, लेकिन आपको एक्सपेंस रेश्यो का भुगतान अलग से नहीं करना पड़ता. एसेट मैनेजमेंट कंपनी इसे म्यूचुअल फंड के ग्रॉस रिटर्न में से काट लेती है. इसे म्यूचुअल फंड मैनेज करने की प्रति-यूनिट लागत भी कहा जा सकता है। हर म्यूचुअल फंड में यह लागत अलग-अलग हो सकती है।

स्मॉल कैप फंड के फायदे

- उन कंपनियों में जल्दी निवेश करने से लाभ होगा जो भविष्य के शीर्ष व्यवसाय हो सकते हैं
- कठिन बाजार स्थितियों का सामना करने के लिए वित्तीय ताकत की कमी के कारण उच्च जोखिम का जोखिम
- सात साल के निवेश क्षितिज वाले बहुत आक्रामक निवेशकों के लिए आदर्श।

5 साल में टॉप प्रदर्शन वाली स्कीम

क्वांट स्मालकैप

- 5 साल में एसआईपी रिटर्न: 38.62% सालाना
- 5 साल में 5000 रुपये मंथली एसआईपी वैल्यू: 7.60 लाख
- 5 साल में कुल निवेश: 3 लाख रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.62%

निप्पॉन इंडिया स्मालकैप

- 5 साल में एसआईपी रिटर्न: 31.26% सालाना
- 5 साल में 5000 रुपये मंथली एसआईपी वैल्यू: 6.41 लाख
- 5 साल में कुल निवेश: 3 लाख रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.80%

आईसीआईसीआई प्रू स्मालकैप

- 5 साल में एसआईपी रिटर्न: 28.41% सालाना
- 5 साल में 5000 रुपये मंथली एसआईपी की वैल्यू: 6 लाख रुपये
- 5 साल में कुल निवेश: 3 लाख रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.86%

कोटक स्मालकैप

- 5 साल में एसआईपी रिटर्न: 28.25% सालाना
- 5 साल में 5000 रुपये मंथली एसआईपी की वैल्यू: 5.99 लाख
- 5 साल में कुल निवेश: 3 लाख रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.45%

एक्सिस स्मालकैप

- 5 साल में एसआईपी रिटर्न: 27.53% सालाना
- 5 साल में 5000 रुपये मंथली एसआईपी वैल्यू: 5.89 लाख रुपये
- 5 साल में कुल निवेश: 3 लाख रुपये
- एक्सपेंस रेश्यो: 0.55%

तीन साल की बेस्ट परफॉर्मिंग स्कीम

- क्वांट स्मालकैप: 36.34%
- निप्पॉन इंडिया स्मालकैप: 33.84%
- टाटा स्मालकैप: 32.65%
- एचडीएफसी स्मालकैप: 32.27%
- एसएसबीसी स्मालकैप: 31.37%

समय पर करवाएं बीमा, मिलेगी आर्थिक आजादी

जल्दी लें हेल्थ इंश्योरेंस, मिल जाएंगे कई फायदे

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"मेडिकल दिक्कत के समय देता है वित्तीय सुरक्षा ■ लगातार महंगे होते इलाज का समाधान मिलेगा ■ दिक्कत होने पर एकमुश्त भुगतान का बोझ नहीं पड़ता ■ कैशलेस इलाज की भी सुविधा मिलेगी ■ हेल्थ इंश्योरेंस पर टैक्स छूट का भी मिलता है लाभ"

हर व्यक्ति को कोई न कोई हेल्थ संबंधी परेशानी हो ही जाती है। ऐसे आपको समय से हेल्थ इंश्यारेंस ले लेना चाहिए, ताकि आपको आर्थिक सुरक्षा यानी तुरंत राहत मिल सके। हर व्यक्ति को हेल्थ इंश्योरेंस लेना चाहिए। ये व्यक्ति को किसी मेडिकल जरूरत या अस्पताल में भर्ती होने पर वित्तीय सुरक्षा देता है। जीवन में जल्दी हेल्थ इंश्योरेंस लेने के कई फायदे हैं। इसमें से एक सबसे बड़ा फायदा है कि इससे ट्रैक रिकॉर्ड बनाने में मदद मिलती है। नो क्लेम बोनस का भी लाभ मिलता है। वहीं, उम्र बढ़ने के साथ बीमारियां भी बढ़ने लगती हैं। ऐसे में हेल्थ इंश्योरेंस बढ़िया विकल्प है। यह लेने के बाद आदमी निश्चिंत हो जाता है। इस रिपोर्ट के जरीये जानते हैं कि जल्दी और कम उम्र में हेल्थ इंश्योरेंस लेने के क्या-क्या फायदे हैं।

कम प्रीमियम

जिंदगी में जल्दी लाइफ या हेल्थ इंश्योरेंस लेना अच्छी चीज है, क्योंकि इसका वित्तीय फायदा आपको साफ तौर पर दिखेगा। युवाओं के लिए प्रीमियम कम होता है, खासतौर पर हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में ये फायदा देगा। इसके पीछे वजह है कि युवाओं के बीमार या गंभीर बीमारी से पीड़ित होने की संभावना कम होती है और इसलिए उनके लिए प्रीमियम भी कम रखा गया है। हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम उम्र के साथ बढ़ता है। इसलिए कम उम्र में ही ये बीमा पॉलिसी लेना बेहतर है।

कोई लॉक इन नहीं

लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के उलट, जिसमें पॉलिसीधारक पूरी अवधि के लिए प्रीमियम को लॉक इन कर सकता है, लेकिन हेल्थ इंश्योरेंस के मामले में ऐसा संभव नहीं है। तो, जो व्यक्ति 25 या 30 साल की उम्र में लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी लेता है, वो पॉलिसी टर्म की पूरी अवधि के लिए प्रीमियम को लॉक इन कर सकता है।वहीं, हेल्थ इंश्योरेंस लेने वाला व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकता है, क्योंकि हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी लंबी अवधि की पॉलिसी नहीं होती हैं। ये एक या दो साल के लिए होती हैं, जिसका मतलब है कि इसके बाद उन्हें रिन्यू कराना पड़ेगा। रिन्यू संभव है और पॉलिसी को जारी रखा जा सकता है, लेकिन नया प्रीमियम रिन्यूअल के समय की उम्र पर आधारित होगा। इससे पॉलिसीधारक का प्रीमियम भी बढ़ेगा, क्योंकि पॉलिसीधारक की उम्र भी बढ़ जाएगी, भले ही पॉलिसी पर कोई क्लेम न हो।

बेहतर ट्रैक रिकॉर्ड बनेगा

हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी के शॉर्ट टर्म रिन्यूअल से आपको ये लग सकता है कि पॉलिसी को कम उम्र में लेने का फायदा नहीं है, क्योंकि आने वाले सालों में प्रीमियम बढ़ जाएगा। हालांकि, ऐसा नहीं है। कम उम्र में पॉलिसी लेने के दो बड़े फायदे हो सकते हैं। पहला, इसमें मिलने वाली कवरेज व्यक्ति को किसी इमरजेंसी मेडिकल इलाज में वित्तीय मदद देगी। दूसरा ज्यादा लंबे समय में फायदा देगा। पॉलिसी लेने और नो क्लेम रिकॉर्ड बनाने से आपका ट्रैक रिकॉर्ड बनेगा।

बीमारियों के लिए वेटिंग पीरियड

हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में पहले से मौजूद बीमारियों के लिए वेटिंग पीरियड भी होता है, जो दो से चार साल तक का रह सकता है। इसलिए कुछ निश्चित अवधि बीत जाने के बाद, बीमा कंपनी किसी वजह से क्लेम को रिजेक्ट नहीं कर सकती है। ये बड़ी राहत दे सकता है, क्योंकि आपको इस बात की चिंता नहीं रहेगी कि क्लेम मंजूर होगा या नहीं।

नो क्लेम बोनस

पॉलिसीधारक को नो क्लेम बोनस के तौर पर भी फायदा मिल सकता है। बीमा कंपनियों की नो क्लेम बोनस को लेकर अपनी खुद की गाइडलाइंस होती हैं। इसे हर महीने सम एश्योर्ड के निश्चित प्रतिशत के तौर पर कैलकुलेट किया जाता है। इससे हर साल ये जुड़ता चला जाता है, जब तक ये किसी निश्चित आंकड़े जैसे 50% तक नहीं पहुंच जाता। इससे समान प्रीमियम पर हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज की राशि बढ़ जाती है।

पर्सनल लोन ले रहे हैं तो अपनाएं ये टिप्स नहीं लगेगा बोझ

अगर आप भी पर्सनल लोन लेना चाह रहे हैं या ले चुके हैं और ईएमआई के कारण परेशान है तो यह खबर आपके बहुत काम की है। आप कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाकर लोन के बोझ को कुछ कम कर सकते हैं। इससे आप बिना किसी टेंशन के लोन भी चुका पाएंगे और अपना काम भी कर पाएंगे। पर्सनल लोन और होम लोन दोनों आजकल काफी कॉमन हो गए हैं। तत्काल पैसों की जरूरत हो तो हम पर्सनल लोन का सहारा लेते हैं और अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। पर्सनल लोन हेल्थ इमेरजेंसी में भी काम आता है। हालांकि, अपने फाइनेंस पर बहुत अधिक दबाव डालने से बचने के लिए, आपको लोन री-पेमेंट पर भी ध्यान देने की जरूरत होती है। आइये जानते हैं कम ईएमएआई पर आप कैसे पर्सनल लोन हासिल कर सकते हैं।

गड़बड़ा जाता है बजट

कई बार देखने में आता है कि लोन की ईएमआई के चलते लोगों का वित्तीय बजट गड़बड़ा जाता है। इससे उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में वह किसी तरह ईएमआई का बोझ कम करने के लिए विकल्प तलाशते हैं। हालांकि, ईएमआई के बोझ को कम करना संभव है और इसके लिए कई रास्ते भी है।

पहले ब्याज और दूसरे चार्जेज की करें तुलना

पर्सनल लोन हो या होम लोन-लेने से पहले विभिन्न बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं (एनबीएफसी) की ब्याज दरों की तुलना कर लीजिए। यह भी देखिए कि वह आपसे प्रोसेसिंग सहित दूसरे किस तरह के चार्जेज वसूल रहे हैं। विभिन्न वेबसाइट आपको ब्याज और चार्जेज की तुलना करने की सुविधा उठाते हैं।

उतना ही लोन लें, जितनी जरूरत हो

पर्सनल लोन लेते समय केवल उतना ही लोन लेना चाहिए जितनी आपकी जरूरत हो। अपनी वित्तीय स्थिति का विश्लेषण करें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कैलकुलेशन करें। अधिक उधार लेने से ईएमआई बढ़ सकती है और अनावश्यक ब्याज का भुगतान करना पड़ सकता है।

पहली बार सुनने में बेहद आकर्षक लगता है जीआईपी

गारंटीड इनकम प्लान में कर रहे हैं निवेश तो जान लें नफा-नुकसान

गारंटीड इनकम प्लान (जीआईपी) निवेश का वह विकल्प है, जिसमें आपको इंश्योरेंस कवर के साथ-साथ एक निश्चित अवधि के लिए फिक्स्ड इनकम की गारंटी भी मिलती है। देश की ज्यादातर इंश्योरेंस कंपनियां इस तरह के प्लान मुहैया करा रही हैं। इनमें आमतौर पर निवेशकों को पहले से तय अवधि के लिए हर महीने या हर साल निश्चित रकम प्रीमियम के तौर पर जमा करनी होती है। इसके एवज में बीमा कंपनी आपको इंश्योरेंस कवरेज के साथ ही साथ पहले से तय समय मसलन, 10, 15, 20 या 30 साल के लिए हर महीने निश्चित रकम देने की गारंटी प्रदान करती है। पहली बार में सुनने पर यह प्लान बेहद आकर्षक लगता है, लेकिन कोई भी फैसला करने से पहले जीआईपी में निवेश के नफा-नुकसान को अच्छी तरह समझना जरूरी है। जीआईपी में निवेश करने के जहां कई फायदे हैं, वहीं इनकी कुछ कमियां भी हैं, जिन्हें अच्छी तरह समझने के बाद ही निवेश के बारे में अंतिम फैसला करना चाहिए।

तैयारी | बिजनेस डेस्क

इंश्योरेंस कवर के साथ फिक्स्ड इनकम की गारंटी

गारंटीड इनकम प्लान के फायदे

रेगुलर इनकम :गारंटीड इनकम प्लान (जीआईपी) का सबसे बड़ा आकर्षण है पहले से तय और रेगुलर आमदनी। रिटायरमेंट के बाद भी नियमित आमदनी जारी रहना या उससे पहले सेकेंड इनकम की संभावना इस प्लान का सबसे बड़ा लाभ माना जाता है। गारंटीड इनकम प्लान के तहत मिलने वाली रकम पर बाजार की उथल-पुथल का असर नहीं पड़ता, जिससे निवेशक भविष्य को लेकर मानसिक शांति महसूस कर सकते हैं.।

अलग-अलग लक्ष्य के लिए निवेश

गारंटीड इनकम प्लान के जरिए आप अपने किसी भी खास लक्ष्य के लिए निवेश की प्लानिंग कर सकते हैं। मिसाल के तौर पर रिटायरमेंट, बच्चों की पढ़ाई, शादी या फिर वैकल्पिक आमदनी का स्रोत तैयार करना. पॉलिसी टेन्योर के दौरान आप अपनी जरूरत के मुताबिक निश्चित इंटरवल पर पे-आउट यानी भुगतान हासिल कर सकते हैं।

निवेश की सुरक्षा

जीआईपी में किया गया निवेश आम तौर पर काफी सुरक्षित माना जाता है। बीमा कंपनियां इंश्योरेंस रेगुलेटर एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (इरडा) के नियमों के तहत ऐसे प्लान पर दी गई गारंटी को पूरा करने के लिए बाध्य हैं। इसके लिए उन्हें कानूनी तौर पर कैपिटल एडिक्वेसी का स्तर बनाए रखना पड़ता है। इसके अलावा इंश्योरेंस कंपनियों को कम से कम 150% का सॉल्वेंसी मार्जिन भी रखना होता है, ताकि वे दी गई गारंटी को पूरा कर सकें। इन सख्त नियमों की वजह से निवेशकों के हित सुरक्षित रहते हैं।

टैक्स छूट का लाभ

गारंटी इनकम प्लान आपकी टैक्स प्लानिंग में भी मदद कर सकते हैं। टैक्स सेविंग जीआईपी में किए गए निवेश पर टैक्स छूट का लाभ मिलता है। ऐसे प्लान के लिए भरे गए प्रीमियम पर 1.5 लाख रुपये की सीमा तक सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती है। इसके अलावा मैच्योरिटी इनकम पर भी सेक्शन 10(10डी) के टैक्स में छूट का लाभ मिलता है।

डायवर्सिफिकेशन

गारंटीड इनकम प्लान में किया गया निवेश आपके पूरे पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करने में भी मददगार साबित होता है। इससे कुल मिलाकर आपके निवेश पर जोखिम कम होता है और रिटर्न में स्थिरता आती है।

जीआईपी के नुकसान

ऊंची फीस और कम रिटर्न :आम तौर पर जीआईपी में किए गए निवेश पर रिटर्न का लेवल दूसरे विकल्पों के मुकाबले कम रहता है, जबकि इन पर फीस ज्यादा देनी पड़ती है। दरअसल, ये प्लान ट्रेडिशनल एंडोमेंट प्लान की कैटेगरी में आते हैं, जिनमें ज्यादातर निवेश सरकारी बॉन्ड्स में किया जाता है, जिनका औसत रिटर्न आम तौर पर 4 से 7% के बीच रहता है. ऐसे प्लान में निवेश सुरक्षित भले ही रहता हो, लेकिन जरूरी नहीं कि लंबे समय के दौरान ये प्लान इनफ्लेशन यानी महंगाई दर को मात देने में भी कामयाब रहें। जीआईपी में निवेश करते समय यह बात भी अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए कि इसमें आपको रिटर्न किस पर मिल रहा है? निवेश पर या सम-एश्योर्ड पर? आमतौर पर इंश्योरेंस कंपनियां और उनके प्लान बेचने वाले जिस रेट ऑफ रिटर्न की बात करते हैं, वो निवेश की बजाय सम-एश्योर्ड पर आधारित है। हो सकता है बीमा एजेंट आपको 10% रिटर्न मिलने की बात करे, लेकिन काफी संभावना है कि यह रिटर्न सम-एश्योर्ड पर होगा, इनवेस्टमेंट पर नहीं.

सर्वाइवल पर निर्भर इनकम

समझने वाली बात यह भी है कि जीआईपी में गारंटी पे-आउट की होती है, जो आम तौर पर पॉलिसीधारक के सर्वाइवल पर निर्भर होती है। अगर पॉलिसी टर्म के दौरान सभी प्रीमियम भर दिए गए हों, तब पॉलिसी-होल्डर के सर्वाइल की स्थिति में गारंटीड पे-आउट मिलते हैं।

बिजनेस साइट

जयका को एफएडीए डीलरशिप 2023 का उत्कृष्टता पुरस्कार

रायपुर। जयका ऑटोमोबाइल एंड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड जो की टाटा मोटर्स के अधिकृत डीलर हैं। व्यवसाय के साथ-साथ कॉर्पोरेट एवं सामाजिक क्षेत्र में भी उत्तरदायित्व (सीएसआर) और पर्यावरण के लिए कई तरह के प्रयास किए हैं। कंपनी ने कई अनूठी प्रक्रिया और पहल पर कॉमर्सियल व्हीकल (एम एंड एचसीवी) सेगमेंट में एफएडीए डीलरशिप उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 में विजेता रही है। पुरस्कार समारोह 20 जून को मुंबई में किया गया था। इसमें जयका ऑटोमोबाइल एंड फाइनेंस प्रा. लिमिटेड के सीनियर जीएम सेल्स, सुशील कुमार त्रिपाठी ने प्रसिद्ध अभिनेता शेखर सुमन से पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर एफएडीए के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया भी मौजूद थे।

कुपोषण से जूझे, सीआरपीएफ की परीक्षा में विफल और अब...

विंडीज के खिलाफ दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने वाले बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के संघर्ष की कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए बीसीसीआई द्वारा घोषित भारतीय टीम में बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को चुना गया है। मुकेश कुमार ने क्रिकेटर बनने तक के सफर में काफी संघर्ष किया। एक समय मुकेश कुपोषण से जूझ रहे थे और उन्हें बोन एडीमा भी था, जिसमें उनके घुटने में बहुत ज्यादा पानी इकट्ठा हो जाता था, जिससे वह मैच नहीं खेल पाते थे।

भारतीय टीम में चयनित होने के बाद मुकेश ने कहा, कहते हैं ना कि अगर आप टेस्ट नहीं खेले तो क्या खेले। मेरा सपना अब मेरे सामने है। मैं हमेशा यहां होना चाहता था, भारत के लिए टेस्ट खेलना चाहता था, और मैं आखिर टीम में शामिल हो गया। मुकेश के पिता काशीनाथ सिंह उनके क्रिकेट खेलने के खिलाफ थे और वह चाहते थे कि वह सीआरपीएफ से जुड़े। 2019 में उनके पिता का निधन हो गया। मुकेश दो बार सीआरपीएफ की परीक्षा में विफल रहे और बिहार की अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व करने के बाद उनका क्रिकेट करियर भी आगे नहीं बढ़ रहा था। उन्होंने फिर बंगाल में खेप क्रिकेट खेलने का फैसला किया। मुकेश ने अपने पिता के घाटे में चल रहे टैक्सी बिजनेस में मदद करने के लिए 2012 में कोलकाता चले गए लेकिन उन्होंने अपने पिता (स्वर्गीय काशीनाथ सिंह) की इच्छा के विरुद्ध जाकर 400-500 रुपए के लिए किसी लोकल लीग में मैच खेलना शुरू कर दिया।

मुकेश कुमार का क्रिकेट करियर

मुकेश कुमार ने अब तक 39 प्रथम श्रेणी मैचों में 21.55 के औसत से 149 विकेट हासिल किए हैं। वहीं लिस्ट ए क्रिकेट में मुकेश के नाम पर 24 मैचों में 26 विकेट दर्ज हैं।

गेंदबाजी कोच रणदेब बोस ने पहचानी मुकेश की प्रतिभा

साल 2014 में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल द्वारा एक विजन 2020 कार्यक्रम के ट्रायल्स वीवीएस लक्ष्मण, वकार यूनिस और मुथैया मुरलीधरन की अध्यक्षता में आयोजित किए गए। ट्रायल देने पहुंचे मुकेश पर बंगाल के पूर्व तेज गेंदबाज और गेंदबाजी कोच रणदेब बोस की नजर पड़ी। हालांकि, मुकेश ट्रायल्स में फेल हो गए थे, लेकिन बोस ने तब के कैब सचिव सौरव गांगुली को मनाया। इसके बाद संघ ने मुकेश के खाने पीने का पूरा ध्यान रखा और उनका एमआरआई करवाया और उनके मेडिकल खर्चे का इंतजाम किया।

भारत की डब्ल्यूटीसी फाइनल टीम में नेट गेंदबाज के रूप में थे शामिल

मुकेश ने 2015-16 में हरियाणा के खिलाफ बंगाल के लिए डेब्यू किया और लगातार घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। लगातार प्रदर्शन ने उन्हें न्यूजीलैंड ए के खिलाफ भारत ए टीम में जगह दिलाई, जहां उन्होंने पांच विकेट हासिल किए और एक महीने बाद, उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया में मौका मिला। वह इंग्लैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए नेट गेंदबाज के रूप में इंग्लैंड गए थे और अब वेस्टइंडीज दौरे के लिए टेस्ट टीम में हैं। मुकेश लंबे स्पैल फेंकने की अपनी क्षमता की वजह से टीम के प्रमुख हथियार हैं और बल्लेबाजों के लिए बुरा सपना मुकेश कुमार की लंबे स्पैल फेंकने की क्षमता का रहस्य उनकी आउटडोर ट्रेनिंग करने और नेट्स पर लंबे स्पैल फेंकने की आदत है। इंग्लैंड दौरे पर मुकेश के लिए सबसे बड़ी सीख यह है कि एक गेंदबाज को साझेदारी में गेंदबाजी कैसे करनी चाहिए और टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच महाम्ब्रे ने उन्हें पुरानी गेंद का उपयोग करने में कैसे मदद की। मुकेश इसका इस्तेमाल वेस्टइंडीज के खिलाफ जरूर करना चाहेंगे।

एशिया कप के लिए पाक टीम घोषित, हारिस को मिली कमान

नई दिल्ली। 14 जुलाई से शुरु हो रहे एशिया कप के लिए पीसीबी ने 15 सदस्यीय पाकिस्तान की क्रिकेट टीम का ऐलान शनिवार को किया। पाकिस्तान की टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद हारिस के हाथों में सौंपी गई है। **टीम:** मोहम्मद हारिस (कप्तान, विकेटकीपर), ओमर बिन यूसुफ (उपकप्तान), अमद बट, अरशद इकबाल, हसीबुल्लाह, कामरान गुलाम, मेहरान मुमताज, मुबासिर खान, मोहम्मद वसीम जूनियर, कासिम अकरम, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहनवाज दहानी, सुफियान मुकीम और तैयब ताहिर।

जापान में 18वें स्थान पर रहे भारतीय राइडर कवीन

मुराता। भारतीय राइडर कवीन समर क्विंटल ने यहां 2023 एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप (एआरआरसी) के तीसरे चरण में 18वां स्थान हासिल किया। स्पोर्ट्सलैण्ड सुगो सर्किट पर मौसम की चरम परिस्थितियों और जबरदस्त प्रतियोगिता के बीच क्विंटल ने एपी250सीसी में 20 मिनट 52.959 सेकंड के कुल लैप टाइम के साथ 18वें स्थान पर रेस खत्म की।

विनीत राय मुंबई में शामिल

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने मिडफील्डर विनीत राय के साथ एक साल का आधिकारिक अनुबंध किया है। मुंबई ने 25 वर्षीय विनीत को जनवरी 2022 में ओडिशा एफसी से ऋण पर लिया था। मुंबई सिटी एफसी के ऐतिहासिक 2022 एएफसी चैंपियंस लीग अभियान सहित सभी प्रतियोगिताओं में विनीत कुल 14 बार क्लब के लिये मैदान पर उतरे। मुंबई सिटी ने विनीत को एक और साल के लिए ऋण पर लिया।

6-रेड एशियन स्नूकर में कमल ने किया पदक पक्का

चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे

भोपाल, खेल संवाददाता। देश के स्टार क्यूईस्ट भोपाल के कमल चावला ने मलेशिया के थोर चुआं लियॉग को 5-0 से हराकर ईरान की राजधानी तेहरान में आयोजित 6-रेड एशियन स्नूकर चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने चैंपियनशिप में अपना पदक भी पक्का कर लिया है।

6-रेड स्नूकर में वर्ल्ड नंबर-2 रह चुके कमल चावला ने वर्तमान एशिया नंबर-2 स्नूकर खिलाड़ी थोर चुआं को पूरे मैच में कोई भी मौका नहीं दिया। कमल ने पहला फ्रेम 56-9 अंकों से जीत कर लय अर्जित की। दूसरे फ्रेम में 55 अंकों का ब्रेक लगाकर फ्रेम 56(55)-1 अंकों जीत कर स्कोर 2-0 किया। इसके बाद कमल ने बहुत धैर्य दिखाते हुए 41-6, 37-0, 47-5 से अगले तीनों फ्रेम जीतकर 5-0 से मुकाबला अपने पक्ष में किया। देर रात खेले गए प्री-क्वॉर्टर फाइनल में कमल ने दो बार के वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप के उपविजेता और 2013 के एशियन स्नूकर चैंपियन अफगानिस्तान के अनुभवी क्यूईस्ट सालेह मोहम्मदी को 4-1 (60-10, 49-23, 35-22, 17-40, 57(53)-00) से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। उल्लेखनीय है कि कमल इस वर्ष स्नूकर में नेशनल चैंपियन हैं और 6-रेड स्नूकर में उन्होंने कांस्य पदक जीता है। पहली एशियन 6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप, थाईलैंड 2011 और 7वीं 6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप, दोहा (कतर) 2019 में कमल ने भारत के लिए कांस्य पदक जीते है।

जल्द क्रिकेट मैदान पर वापसी करेंगे बुमराह

अगस्त में आयरलैंड के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज में खेलने की संभावना

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अगस्त में भारत और आयरलैंड के बीच होने वाली टी-20 सीरीज के जरिए मैदान पर वापसी कर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अगले महीने कुछ मैच खेलेंगे।

इन मैचों के जरिए बुमराह की स्थिति का आकलन किया जाएगा। बुमराह की देखरेख के जिम्मेदार लोग देखना चाहते हैं कि मैच के अगले दिन वह कैसा महसूस करते हैं। एनसीए के मैचों के बाद ही बुमराह को आयरलैंड सीरीज में खिलाने पर फैसला लिया जाएगा, जिसके मैच 18, 20 और 23 अगस्त को आयोजित होने हैं। बुमराह की वापसी का अंतिम लक्ष्य उन्हें अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए तैयार करना है। इसके लिए भारतीय टीम पहले टी20 में उनकी क्षमता का परीक्षण करना चाहता है। आयरलैंड सीरीज भारतीय टीम, चयनकर्ताओं, राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में उनके संचालकों और बीसीसीआई की योजना के अनुरूप है, जो सामूहिक रूप से चाहते हैं कि वह धीरे-धीरे मैच फिटनेस हासिल करें, जिसकी शुरुआत चार ओवर के स्पेल वाले टी20 मैच से हो। उल्लेखनीय है कि शुरुआत में पीठ की समस्या और बाद में पीठ की सर्जरी के कारण बुमराह पिछले साल सितंबर से मैदान से बाहर हैं। वह वर्तमान में बेंगलुरु में एनसीए में रीहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वह 70 प्रतिशत ठीक हो चुके हैं। आयरलैंड के मैच लगभग दो महीने दूर होने के कारण, थिंक-टैंक को उम्मीद है कि वह डबलिन में होने वाले मुकाबलों के लिए तैयार रहेंगे।

लगभग एक साल से टीम से है बाहर

जुलाई 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे के बाद बुमराह ने पीठ में समस्या की शिकायत की और तीसरा वनडे नहीं खेल पाए थे। बाद में यह पता चला कि उनकी 2019 की पीठ की चोट फिर से उभर आई थी। अभी यह माना जा रहा है कि बुमराह वर्ल्ड कप-2023 तक मैच फिट हो जाएंगे। हालांकि एनसीए इसे धीमी गति से लेना चाहता है। आयरलैंड दौरे के बाद भारतीय टीम श्रीलंका में एशिया कप खेलेगी। अगर वह फिट हो जाते हैं तो वर्ल्ड कप से पहले यह बुमराह का पहला 50 ओवर असाइनमेंट होगा। करियर में अभी तक 30 टेस्ट, 72 वनडे और 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके बुमराह करीब एक साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। वह पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज का हिस्सा थे। जुलाई 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे के बाद बुमराह ने पीठ में समस्या की शिकायत की और तीसरा वनडे नहीं खेल पाए थे। बाद में यह पता चला कि उनकी 2019 की पीठ की चोट फिर से उभर आई थी।

एशिया कप में केएल राहुल, श्रेयस की वापसी की उम्मीद

आईपीएल के दौरान चोटिल हुए केएल राहुल भी एशिया कप तक फिट हो होकर वापसी कर सकते है। राहुल ने अपने दाहिने जांघ की सर्जरी कराई थी और वह इन दिनों एनसीए में अपना रिहैब पूरा कर रहे हैं। राहुल कब तक फिट हो पाएंगे, यह भी कहना अभी काफी मुश्किल है। वहीं, बैक सर्जरी के बाद श्रेयस अय्यर भी अब तक फुल फिटनेस हासिल नहीं कर सके हैं। श्रेयस अय्यर, जिनकी पीठ की सर्जरी हुई वह भी एशिया कप के लिए फिट घोषित हो सकते हैं।

जिम्बाब्वे की लगातार तीसरी जीत

विंडीज को हराया, सिकंदर रजा का हरफनमौला प्रदर्शन

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे ने सिकंदर रजा (68 रन, दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से वनडे विश्व कप क्वॉलीफायर के ग्रुप-ए मुकाबले में शनिवार को वेस्टइंडीज को 35 रन से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इससे पहले उसने नेपाल को 8 विकेट से और नीदरलैंड्स को 6 विकेट से हराया था।

जिम्बाब्वे भले ही पहले बल्लेबाजी करते हुए 268 रन पर ऑलआउट हो गयी, लेकिन मेजबान टीम ने वेस्टइंडीज को भी 44.4 ओवर में 233 रन पर निपटा दिया। जिम्बाब्वे के लिए सिकंदर रजा के अलावा रायन बर्ल (50 रन और क्रेग एर्विन ने 47 रनों का योगदान दिया। विंडीज के लिए काइल मेयर्स (56 रन) ने अर्धशतक जड़ा लेकिन उनके आउट होते ही जिम्बाब्वे ने मुकाबले में वापसी करना शुरू की। कप्तान शाई होप (30 रन), निकोलस पूरन (34 रन) और जेसन होल्डर (19 रन) अच्छी शुरुआत मिलने के बाद भी पिच पर पांव नहीं जमा सके। रॉस्टन चेज ने 44 रन बनाकर अकेले संघर्ष किया लेकिन 43वें ओवर में चटारा ने उनका शिकार कर विंडीज की सभी उम्मीदें समाप्त कर दीं। जिम्बाब्वे के लिए टेंडाइ चटारा ने सर्वाधिक तीन विकेट जबकि मुजरबानी, एनगरावा और रजा ने दो-दो विकेट झटके। ग्रुप-ए से जिम्बाब्वे, वेस्ट इंडीज और नीदरलैंड विश्व कप क्वॉलीफायर के सुपर-6 चरण के लिए क्वॉलीफाई कर चुके हैं। आईसीसी के नियमों के अनुसार, क्वॉलीफायर के सुपर सिक्स में पहुंचने वाली अन्य टीमों के खिलाफ अर्जित अंक विश्व कप क्वॉलीफायर के उस चरण में शामिल होंगे। एक नीदरलैंड ने लोगन वैन बीक (24/4) की शानदार गेंदबाजी के बाद मैक्स ओडाउड (90) के तूफानी अर्धशतक की मदद से नेपाल को सात विकेट से हराया।

हाले ओपन के फाइनल में पहुंचे बुलबिक

हाले। एलेक्सजैंडर बुलबिक ने शनिवार को यहां जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-3, 7-5 से हराकर हाले ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। कजाखस्तान के इस 48वीं रैंकिंग के खिलाड़ी ने नौवी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव को एक घंटे 27 मिनट में शिकस्त दी। ज्वेरेव 2016 और 2017 में हाले फाइनल में पहुंचे थे। अब फाइनल बुलबिक का सामना रोबर्टो बतिस्ता एगुट और आंद्रे रूबलेव के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

माता-पिता के साथ अकादमी पहुंचीं सौम्या

भोपाल। एशिया क्रिकेट कप एमर्जिंग टूर्नामेंट जीतने के बाद सौम्या तिवारी अपने माता-पिता के साथ शनिवार को अरेरा क्रिकेट अकादमी पहुंचीं। इस अवसर पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार अकादमी के सभी प्लेयर्स, पालक गण और अकादमी के पदाधिकारियों एवं कोचेस ग्राउंड स्टाफ ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

छोटे तालाब पर मनाया गया ओलंपिक दिवस

भोपाल। मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ, भारतीय कयाकिंग एवं केनोइंग संघ, मध्य प्रदेश कयाकिंग संघ एवं भोपाल जिला ओलंपिक संघ द्वारा भोपाल स्थित छोटे तालाब जल क्रीड़ा केंद्र पर ओलंपिक दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कयाकिंग एवं केनोइंग की स्पर्धाओं के 200 मीटर क्याक-1, क्याक-2, केनो-1, केनो-2 एवं पैरा केनो के इवेंट्स आयोजित किए गए।

विपक्षी दलों पर डिप्टी सीएम ने बोला हमला

बलिया, (ब्यूरो)। उप्र के बलिया के हल्दीरामपुर में शनिवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एक जनसभा करने पहुंचे। उन्होंने मीडिया के बातचीत करते हुए पटना में 17 विपक्षी पार्टियों की बैठक और उसमें लालू यादव की ओर से राहुल गांधी की शादी की बातचीत के सवाल पर चुटकी ली। साथ ही तंज कसते हुए जमकर हमला भी बोला। ब्रजेश पाठक ने कहा कि ये पूरी तरह से नॉन सीरियस लोग हैं। देश में चुनावी चर्चा चल रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए लड़ रहे हैं। ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारे लिए राष्ट्र प्रथम है। ये लोग कुर्सी के लिए लड़ रहे हैं।

जापान में ओज वायरस से एक महिला की मौत

टोक्यो, (एजेंसी)। जापान में ओज वायरस से संक्रमित एक महिला की मायोकार्डिटिस से मौत हो गई। राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान (एनआईआईडी) और स्वास्थ्य, श्रम एवं कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक टोक्यो के उत्तर-पूर्व में इबाराकी प्रान्त में रहने वाली 70 वर्षीय महिला पिछले साल ओज वायरस से संक्रमित हुई थी, जिसने कभी विदेश यात्रा नहीं की थी बल्कि उसे उच्च रक्तचाप सहित अंतर्निहित बीमारियाँ थीं। रिपोर्ट के अनुसार, महिला को पिछली गर्मियों में बुखार, थकान और जोड़ों के दर्द का अनुभव हुआ था, जिससे वह इन लक्षणों के साथ एक चिकित्सा संस्थान में गई, जहां पता चला कि उन्हें निमोनिया हो गया है।

योगी ने मथुरा को दी 208 करोड़ की परियोजनाएं

मथुरा, (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को ब्रजवासियों को करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं का तोहफा दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा जिले की करीब 121 करोड़ रुपये की 41 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं 86 करोड़ रुपए की 39 परियोजनाओं का शिलान्यास बटन दबाकर किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को पीएम आवास की सांकेतिक चाबी भेंट की। इसके बाद कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थी और 100 आदर्श आंगनवाड़ी केंद्रों को किटों का वितरण किया।

इमरान प्रतापगढ़ी सर्वाधिक लोकप्रिय मुस्लिम नेता

हैदराबाद, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी को एक ट्विटर पोल के अनुसार भारत में सबसे लोकप्रिय मुस्लिम नेता घोषित किया गया है। जुबैर मेमन (जुबैर मीडिया) द्वारा ट्विटर पर कराए गए सर्वेक्षण में उपयोगकर्ताओं से वर्तमान में भारत के प्रमुख मुस्लिम राजनीतिक नेता के लिए वोट करने को कहा गया। विकल्पों में एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन औवैसी, एआईयूडीएफ के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल, समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का नाम दिया गया था। कुल 21,347 प्रतिभागियों में से इमरान प्रतापगढ़ी ने 68.9 प्रतिशत वोट हासिल किए।

बीएसएफ ने तरनतारन में पाक ड्रोन को मार गिराया

जालंधर (एजेंसी)। बीएसएफ ने पंजाब में तरन तारन जिले के टीजे सिंह गांव में एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। बीएसएफ के प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। शुक्रवार की रात 9.12 बजे सुरक्षा बलों ने पाक की ओर से भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाले एक ड्रोन को मार गिराया। इसके बाद पंजाब पुलिस के साथ संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान शनिवार सुबह लगभग आठ बजे गांव लखाना के साथ लगते खेत से एक ड्रोन टूटी हुई हालत में बरामद हुआ। बरामद ड्रोन मॉडल डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीके सीरीज का क्वाडकॉप्टर है।

आज का इतिहास

- **1529:** मुगल शासक बाबर बंगाल पर जीत दर्ज कर राजधानी आगरा लौटा।
- **1788:** वर्जीनिया अमेरिका का संविधान अपनाने वाला 10वां प्रांत बना।
- **1932:** भारतीय क्रिकेट टीम ने ब्रिटेन के लॉर्ड्स मैदान पर पहला टेस्ट मैच खेला।
- **1941:** फिनलैंड ने सोवियत संघ पर हमले की घोषणा की।
- **1947:** एन फ्रैंक की 'डायरी ऑफ ए यंग गर्ल' का प्रकाशन हुआ। इसकी करोड़ों प्रतियां बिकीं और इसका 67 भाषाओं में अनुवाद किया गया।
- **1950:** उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच गृह युद्ध शुरू हुआ।
- **1975:** इंदिरा सरकार की सलाह पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने देश में आपातकाल लगा दी।
- **1983:** भारत ने वेस्टइंडीज को 43 रनों से हरा कर पहली बार क्रिकेट विश्व कप जीता।

काहिरा में मोदी-मोदी की गूंज

26 साल बाद भारतीय पीएम का मिस्र दौरा | **बैंड बाजे के साथ एयरपोर्ट पर दिया गार्ड ऑफ ऑनर**

काहिरा, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपना 3 दिवसीय अमेरिकी दौरा खत्म कर मिस्र की राजकीय यात्रा पर पहुंचे। मिस्र की राजधानी काहिरा में उनका जोरदार स्वागत हुआ। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रिसीव करने के लिए मिस्र के प्रधानमंत्री पहुंचे, जहां गर्मजोशी के साथ दोनों नेता मिले।

बाकायदा पारंपरिक बैंड बाजे के साथ प्रधानमंत्री का एयरपोर्ट पर स्वागत हुआ और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।दरअसल, राष्ट्रपति अल-सिसी के निमंत्रण पर पीएम मोदी मिस्र के दो दिवसीय दौरा पर पहुंचे हैं। यह 26 वर्षों में किसी भारतीय प्रधान मंत्री की मिस्र की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी ने काहिरा में उतरने के बाद ट्वीट किया, मुझे विश्वास है कि यह यात्रा मिस्र के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करेगी।

मैं राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के साथ बातचीत और अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं। पीएम ने आगे लिखा, एयरपोर्ट पर मेरा स्वागत करने के विशेष भाव के लिए मैं प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबौली को धन्यवाद देता हूं। भारत-मिस्र संबंध फले-फूले और हमारे देशों के लोगों को लाभ मिले। रविवार को मिस्र के राष्ट्रपति अल-सिसी से मुलाकात करेंगे।

साड़ी पहने मिस्र की महिला ने सुनाया शोले का गाना, ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे...

प्रधानमंत्री मोदी जब यहां होटल पहुंचे तो भारतीय समुदाय के लोगों ने भारतीय तिरंगा लहराते हुए मोदी, मोदी और वंदे मातरम के नारों के साथ उनका स्वागत किया। साड़ी पहने मिस्र की एक महिला ने फिल्म शोले के लोकप्रिय गीत ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे गाकर पीएम मोदी का स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री गीत को प्रशंसात्मक भाव से सुनते दिखे और उन्होंने उस समय आश्चर्य व्यक्त किया जब महिला ने कहा कि वह बहुत कम हिंदी जानती है और कभी भारत नहीं आई है। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, किसी को पता भी नहीं चलेगा कि आप मिस्र की बेटी हो या हिंदुस्तान की बेटी हो।

11वीं सदी की मस्जिद का दौरा करेंगे पीएम मोदी

रविवार को ही पीएम मोदी 11वीं सदी की अल-हकीम मस्जिद का दौरा करेंगे, जिसे दाऊदी बोहरा समुदाय की सहायता से पुनर्निर्मित किया गया था। भारत में बोहरा समुदाय की उत्पत्ति वास्तव में फातिमा राजवंश से हुई है और उन्होंने 1970 के दशक से मस्जिद का नवीनीकरण किया है।

प्रसिद्ध कब्रिस्तान जाएंगे पीएम

पीएम प्रथम विश्व युद्ध के दौरान मिस्र के लिए लड़ते हुए शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए हेलियोपोलिस युद्ध कब्रिस्तान का दौरा करेंगे। यह स्मारक राष्ट्रमंडल द्वारा बनाया गया था, हालांकि यह उन 3,799 भारतीय सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने मिस्र में प्रथम विश्व युद्ध के विभिन्न संघर्षों में अपनी जान गंवा दी थी।

हाइड्रोजन जेट हाइपरसोनिक विमान से हवाई यात्रा 1.5 घंटे में पेरिस से न्यूयॉर्क पहुंचना होगा संभव

नई दिल्ली। एक नए हाइड्रोजन-संचालित जेट के डिजाइन से हाइपरसोनिक उड़ान का एक नया युग शुरू हो सकता है जो दुनिया भर में हवाई यात्रा के समय को कुछ घंटों तक कम कर देगा। यह उपलब्धि हासिल करने वाला आखिरी विमान कॉनकॉर्ड था, जो एंग्लो-फ्रेंच इंजीनियरिंग का सुपरसोनिक परिणाम था। इसने 2,100 किमी/घंटा से गति से उड़ान भरते हुए, 3.5 घंटे में रिकॉर्ड समय में अटलांटिक को पार किया। लेकिन एक स्विस स्टार्ट-अप हाइपरसोनिक, हाइड्रोजन-संचालित यात्री जेट संग पेरिस से न्यूयॉर्क तक की वर्तमान यात्रा के समय को 8 घंटे से घटाकर केवल डेढ़ घंटे करने पर विचार कर रहा है। हाइड्रोजन से चलने वाले विमान की सफल टेस्ट उड़ान से स्थायी विमानन को बढ़ावा मिल सकता है, जबकि अन्य कंपनियां सुपरसोनिक उड़ान के साथ फिर से प्रयास कर रही हैं, डेस्टिनस का लक्ष्य पहला वाणिज्यिक हाइड्रोजन-संचालित विमान बनाना है जो ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक और 33 किमी (1,00,000 फीट से अधिक) की ऊंचाई पर यात्रा कर सकता है।

डेस्टिनस का आइगर प्रोटोटाइप ने पहली सफल उड़ान भरी

कंपनी पिछले कुछ वर्षों से अपने प्रोटोटाइप विमान का परीक्षण कर रही है, और 2022 के अंत में अपने दूसरे प्रोटोटाइप **एइगर** की सफल परीक्षण उड़ानों की घोषणा की है। डेस्टिनस के उन्नत अध्ययन प्रमुख बार्ट वान होव ने ले बोर्गेट में पेरिस एयर शो में कहा, कि प्रोटोटाइप अंतिम उत्पाद से अलग दिखते हैं, क्योंकि अंतिम उत्पाद में बहुत उन्नत प्रणोदन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसमें विभिन्न प्रकार के इंजन, टर्बो जेट और रैमजेट हैं, सभी हाइड्रोजन-संचालित और सभी हाइड्रोजन-कूल्ड। एक विमान हवा की एक बड़ी मात्रा को पकड़ता है और एक केंद्रीय वाहिनी होती है और जो कई इंजन नलिकाओं में विभाजित हो जाती है। प्रोटोटाइप में ऐसा मामला नहीं है, क्योंकि हम चरण दर चरण आगे बढ़ते हैं। अप्रैल में, कंपनी को स्पेन के विज्ञान मंत्रालय द्वारा संचालित एक कार्यक्रम में अपनी भागीदारी की घोषणा करते हुए निवेश का लाभ मिला, जो हाइड्रोजन-संचालित सुपरसोनिक उड़ानें विकसित करने की स्पेनिश सरकार की योजना का हिस्सा था। 12 मिलियन यूरो के कुल मौजूदा निवेश के साथ स्पेनिश विवि योजना में शामिल है।

बेलारूस के राष्ट्रपति से वार्ता के बाद प्रिगोजिन ने विद्रोह रोका, लड़ाकों से यूक्रेन लौटने को कहा

वैगनर आर्मी ने मास्को की ओर कूच रोकी

मॉस्को, (एजेंसी)। वैगनर आर्मी के चीफ येवगेनी प्रिगोजिन ने रूस की राजधानी मास्को की ओर अपनी कूच रोक दी है।

रसिया 24 न्यूज चैनल के मुताबिक, बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्सेंडर लुकाशेंको ने वैगनर आर्मी के चीफ से बात की।

एलेक्सेंडर ने प्रिगोजिन के सामने मास्को की ओर बढ़ रहे लड़ाकों को रोकने का प्रस्ताव दिया, जिसे वैगनर आर्मी चीफ ने स्वीकार कर लिया। उन्होंने एक ऑडियो मैसेज जारी कर इसकी जानकारी दी। वैगनर आर्मी के चीफ ने अपने लड़ाकों को यूक्रेन लौटने का आदेश दिया है। रॉयटर्स के मुताबिक, वैगनर आर्मी के चीफ ने ऑडियो मैसेज में कहा- वे वैगनर सैन्य कंपनी को खत्म करना चाहते थे। हमने 23 जून को न्याय के लिए मार्च शुरू किया। 24 घंटों में हम मास्को की सीमा के 200 किमी के भीतर घुस गए थे। इस दौरान हमने अपने

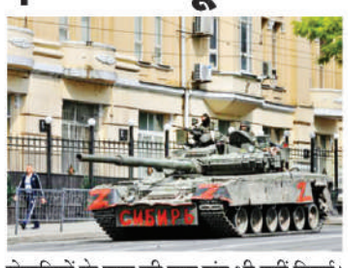

सेनानियों के खून की एक बूंद भी नहीं गिराई। वैगनर ने कहा कि हमारे लड़ाके वापस लौट रहे हैं, वे फील्ड शिविरों में जा रहे हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति ने हमारी सुरक्षा की गारंटी के बदले में मास्को की ओर कूच रोकने का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, इस समझौते पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन की ओर से अभी तक कोई बयान नहीं आया है।

इससे पूर्व अल-जजीरा ने खबर दी थी कि प्राइवेट आर्मी मॉस्को की तरफ बढ़ रही है। मॉस्को की सड़कों पर बख्तरबंद गाड़ियां और रूस की सेना तैनात कर दी गई है। शहर में हाई अलर्ट है और राजधानी को जोड़ने वाला हाईवे बंद कर दिया गया है। राजधानी में 1 जुलाई तक सभी बाहरी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। मेयर ने लोगों से घरों में रहने के लिए कहा है। रविवार को सभी सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे।

पुतिन बोले- वैगनर ने निजी हितों के चलते धोखा दिया

पुतिन ने कहा- महत्वाकांक्षा और निजी हितों के चलते हमारे साथ ये विश्वासघात हुआ है। जो कोई भी विद्रोह करेगा उसे दंडित किया जाएगा। उन्हें कानून और हमारे लोगों को जवाब देना होगा। जिसने भी जानबूझकर देशद्रोह का रास्ता अपनाया, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हम सभी खतरों के खिलाफ अपने लोगों और देश की सुरक्षा करेंगे।

प्रिगोजिन के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज

राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के आदेश के बाद रूसी जांच एजेंसी स्नस्क्रने वैगनर चीफ प्रिगोजिन के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज कर लिया है। उन पर सशस्त्र विद्रोह भड़काने का आरोप लगाया गया है। लड़ाकों से उनका कोई आदेश न मानने और उन्हें हिरासत में लेने को कहा गया है।

Filmi तड़का

24 नवंबर को रिलीज होगी कंगना रनौत की 'इमरजेंसी'

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आने वाली फिल्म इमरजेंसी 24 नवंबर को रिलीज होगी। कंगना रनौत ने अपने निर्देशन में बनी फिल्म'इमरजेंसी'की रिलीज डेट की घोषणा की है। यह फिल्म 24 नवंबर 2023 को रिलीज की जाएगी। कंगना रनौत ने बताया, इमरजेंसी हमारे इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और डार्केस्ट चैप्टर में से एक है जिसे युवा भारत को जानना जरूरी है। यह एक महत्वपूर्ण कहानी है ,और मैं इस रचनात्मक यात्रा को एक साथ शुरू करने के लिए , प्रतिभाशाली अभिनेता, स्वर्गीय सतीश कौशिक जी, अनुपम जी, श्रेयश, महिमा और मिलिंद की शुक्रगुजार हूं । मैं भारत के इतिहास के इस उल्लेखनीय प्रसंग को बड़े पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हूं। जयहिंद! मणिकर्णिका फिल्म्स प्रस्तुत इमरजेंसी, जिसका निर्देशन और निर्माण कंगना रनौत ने किया है।

रामानंद सागर की पड़पोती ने लगाया सेक्सुअल हैरेसमेंट का आरोप

मुम्बई। गुजरे जमाने के मशहूर फिल्ममेकर रामानंद सागर की ग्रेट ग्रैंड डॉटर साक्षी चोपड़ा ने हाल ही में नेटफ्लिक्स के मेकर्स पर सेक्सुअल हैरेसमेंट के आरोप लगाए हैं। उन्होंने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने एक्सपीरियंस शेयर किए। इसके साथ ही उन्होंने मेकर्स पर धोखाधड़ी के भी आरोप लगाए। साक्षी, रामानंद सागर के बेटे मोती सागर की बेटी मीनाक्षी सागर की बेटी हैं। सिंगर और सॉन्ग राइटर साक्षी के सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स हैं। साक्षी ने हाल ही में नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'सोशल करेंसी' में पार्टिसिपेट किया था। शो में उनके अलावा 7 और सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स भी शामिल थे। शनिवार को इस शो के दौरान हुए एक्सपीरियंस शेयर करते हुए साक्षी ने एक पोस्ट अपलोड किया। कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'मैंने इस शो को सिर्फ एक शर्त पर साइन किया था कि मुझे दिन में एक बार अपनी मां से बात करने की परमिशन दी जाएगी। मुझे इस रियलिटी शो का हिस्सा बनाने के लिए इसके मेकर्स एक साल से मेरे पीछे पड़े थे। मेकर्स ने कई कॉल्स और मैसेज के जरिए मुझे शो साइन करने के लिए गुमराह किया।'

हुमा कुरैशी की फिल्म तरला का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी की आने वाली फिल्म 'तरला' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म तरला शेफ और कुकबुक लेखक तरला दलाल की बायोपिक है। इस फिल्म में हुमा तरला दलाल की भूमिका निभा रही हैं, फिल्म में शारिब हाशमी उनके पति नलिन दलाल की भूमिका में दिखाई देंगे। ट्रेलर की शुरुआत तरला दलाल यानी हुमा से होती है, जिन्हें शादी के लिए लड़के वाले देखने आते हैं। तरला शारिब से शादी कर लेती हैं। शादी के बाद तरला अपनी एक पहचान बनाना चाहती हैं और वह सफलता की राह पाने का रास्ता खोज लेती हैं।

IIT कानपुर का कमाल, क्लाउड सीडिंग से आर्टिफिशियल बारिश का मशीनी टेस्ट सफल

कानपुर, (ब्यूरो)। देश में क्लाउड सीडिंग के जरिए कृत्रिम बारिश कराने में बड़ी सफलता हासिल हुई है। आईआईटी कानपुर ने शुक्रवार 23 जून को क्लाउंड सीडिंग के लिए एक परीक्षण उड़ान को सफलता पूर्वक आयोजित किया, जिसके जरिए 5,000 फीट की ऊंचाई से एक पाउडर गिराया गया जिससे कृत्रिम बादल बन गए। ये परीक्षण नगर विमानन निदेशालय यानी डीजीसीए की अनुमति के बाद ही किया गया था। हालांकि इस दौरान बारिश नहीं हुई, क्योंकि इसके लिए फ्लेयर्स को फायर नहीं किया गया था। ये सिर्फ उपकरणों के लिए एक ट्रायल था।

आईआईटी कानपुर के द्वारा कृत्रिम बारिश कराये जाने के लिए इस परियोजना पर कुछ साल पहले से ही काम करना शुरू किया था। इसका नेतृत्व आईआईटी कानपुर के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किया गया। जिसके बाद शुक्रवार को इस परीक्षण को किया गया।

28वें अमेरिकी शहरों में एलेघेनी काउंटी शामिल

बेंगलुरु, (एजेंसी)। 28 अमेरिकी और कनाडाई शहरों के समूह में शामिल होकर, एलेघेनी ने शहर में हिंसा और अपराध को कम करने के लिए स्वयंसेवा और सामाजिक पहल के माध्यम से विविध समुदायों को एकजुट करने के अपने प्रयासों के लिए 22 जून को श्री श्री रवि शंकर दिवस के रूप में घोषित किया। काउंटी अधिकारी रिच फिट्ज़गेराल्ड ने 'वैश्विक मानवतावादी, आध्यात्मिक गुरु और शांति दूत के रूप में उनके कार्य के लिए उन्हें सम्मानित करने के लिए 22 जून को श्री श्री रविशंकर दिवस के रूप में घोषित करने की घोषणा जारी की।

कोविड का जैविक हथियार के रूप में नहीं हुआ इस्तेमाल

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। कोविड-19 की उत्पत्ति पर अमेरिकी सरकार की नई अवर्गीकृत खुफिया रिपोर्ट में भी यह बात स्पष्ट नहीं हो सकी है कि दुनिया भर में 76.8 करोड़ से अधिक लोगों को संक्रमित करने वाली और 69 लाख से अधिक मौतों के लिए जिम्मेदार महामारी की शुरुआत एक प्रयोगशाला रिसाव का परिणाम थी या किसी संक्रमित जानवर से वायरस इंसानों तक पहुंच गया।

हालांकि सभी का मानना है कि इसका जैविक हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया गया।

महामारी के दो साल से अधिक समय बाद, कोविड-19 की उत्पत्ति पर अस्पष्टता बनी हुई है। यह वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिकों और राजनेताओं के साथ एक राजनीतिक और वैज्ञानिक बहस का विषय रहा है कि कोरोनोवायरस का स्रोत एक संक्रमित जानवर या प्रयोगशाला की घटना का परिणाम था।

लोहिया भवन पर समाजवादी महिला सभा के पदाधिकारियों का हुआ भव्य स्वागत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सपा जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर रविवार को समाजवादी महिला सभा के नवमनोनीत पदाधिकारियों का भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने सभी महिला सभा के नवमनोनीत पदाधिकारियों का बुके देकर सम्मानित किया। नवमनोनीत महिला सभा की जिलाध्यक्ष विभा पाल ने अपने सभी पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र भी वितरित किया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कहा कि आज भाजपा राज में महिलाओं का जीवन संकट में हैं। प्रदेश की ध्वस्त कानून व्यवस्था के चलते योगीराज में महिलाएं पूरी तरह से असुरक्षित है। बहु बेटियों का घर से निकलना दूभर हो गया है। शोहदों के चलते बेटियों का सम्मान खतरे में हैं। योगी जी के एंटी रोमियों स्क्वाड का दूर-दूर तक कहीं कोई अता पता नहीं है। महिलाओं के सम्मान की सुरक्षा करने में योगी सरकार पूरी तरह से विफल साबित हुई है। लगातार बढ़ती मंहगाई के चलते भी महिलाओं को तमाम दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलेंडर और खाध पदार्थो के लगातार बढ़ते दामों के चलते उनका किचन संभालना मुश्किल पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की लड़ाई लड़ी है और लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि जब-जब प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी हैं महिलाओं के हित में तमाम फैंसले लिए गए हैं।

इस समारोह में मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष रामधारी यादव, नफीसा बेगम, संगीता यादव, डॉ सीमा यादव,पूजा गौतम,कंचन रावत, रीना यादव, जुलैखा बेगम,सुदामी, प्रभावती, उर्मिला, आरती, संगीता गुप्ता, अशोक कुमार बिंद, आमिर अली, तहसीन अहमद,अमित ठाकुर, कमलेश यादव ओमप्रकाश यादव, रामाशीष यादव, फूलमती मौर्या, आदि उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री कन्हैयालाल विश्वकर्मा ने किया।

24 पारिवारिक बाद में 15 परिवार हुए एक-दूजे के

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। परिवार परामर्श केंद्र पुलिस लाइन गाजीपुर द्वारा हर सप्ताह विभिन्न पारिवारिक विवादों का निपटारा रविवार को किया जाता है। जिसमें पति और पत्नी के विवादों को बातचीत के माध्यम से उचित परामर्श देकर निपटारा किया जाता है। इसी क्रम में इस सप्ताह 24 पारिवारिक वाद प्रस्तुत किए गए जिसमें 15 परिवारों को समझा-बुझाकर विदाई की गई।आठ परिवारों में दोनों पक्ष उपस्थित नहीं थे। दो परिवारों की पत्रावली विधिक कार्यवाही का सुझाव देते हुए बंद कर दिया गया। इन सभी प्रकरण के निस्तारण में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत कुमार चौधरी, सरदार दर्शन सिंह, सरिता गुप्ता, वीरेंद्र नाथ राम, मुख्यमहिला आरक्षी अनिता सिंह, आरक्षी आलेश कुमार, महिला होमगार्ड उमीर्ला गिरी, प्रान्तीय रक्षादल गीता आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

योग से रख सकते हैं बीमारियों को दूरः स्वाति सरकार

योग के साथ खान-पान पर भी दें ध्यान : प्रो. निर्मला एस. मौर्य

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नव स्थापित नशा मुक्त एवं पुनर्वास केंद्र द्वारा शनिवार को 'जीवनशैली से जुड़े रोगों के रोकथाम में योग की भूमिका' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में आर्ट ऑफ लिविंग, बंगलुरु की योग प्रशिक्षिका सुश्री स्वाती सरकार ने कहा कि महिलाओं की असंतुलित जीवनशैली के कारण तमाम तरह की समस्याएं आ रही है, जिसमे एक बहुत सामान्य बीमारी के रूप मे पीसीओएस है, इससे ग्रसित महिलाओं में मानसिक अवसाद अधिक होती है, ये हार्मोनल डिस्टरबेंस के कारण से है। इसी तरह से असंगत जीवनशैली के कारण मधुमेह बीमारी में हमारे शरीर में इंसुलिन कम बनाता है। यहाँ योग एवं साधना के माध्यम से इन

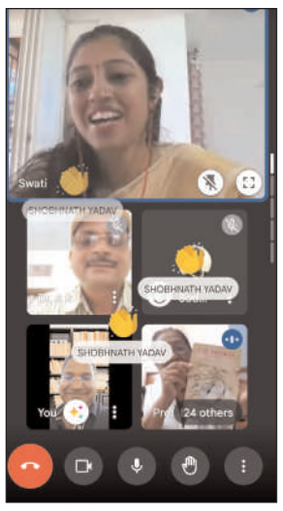

समस्याओं को हम काफी हद तक कम कर सकते है। कोरोना वायरस जैसी भयावह स्थिति में हमने योग को काफी हद तक प्रभावकारी पाया है। कार्यशाला की अध्यक्षता करतीं हुई विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां हमारे स्वयं द्वारा आमंत्रित बीमारी है, जितना भी संभव हो सके, जीवन में योग को स्थान दें। योग के साथ सही खानपान बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सावन साग ना भादों दही, कुवार दूध ना कार्तिक मही को विस्तार से समझाया। विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने जीवन शैली से जुड़े बीमारियों के ऊपर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अवधेश कुमार मौर्य ने किया। कार्यशाला में आचार्य विक्रम देव शर्मा, राजेंद्र प्रताप सिंह, जय सिंह, विवेक, आराधना, रिया, प्रिया, दिव्या, सोनाली, श्रुति, राजेंद्र, सत्यप्रकाश इत्यादि मौजूद रहे।

ईद उल अजहा एवम सावन माह का त्योहार शांतिपूर्ण संपन्न कराने को पीस कमेटी की हुई बैठक

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना परिसर में रविवार को आगामी पर्व ईद उल अजहा एवम सावन माह के त्योहार को लेकर पीस कमेटी की बैठक हुई जिसमें थाना प्रभारी कुमुद शेखर सिंह ने ईदुल अजहा पर्व पर ईदगाह एवम मस्जिदों के पास सुरक्षा व्यवस्था एवं कुबार्नी के दृष्टिगत साफ-सफाई सावन माह पर मंदिर समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर होने वाली आयोजन के बारे में जानकारी प्राप्त की। बैठक में उपस्थित रहने वाले धर्मगुरु एवं मंदिर के पुजारी समेत विभिन्न समुदाय के लोगों से शांति पूर्वक त्योहार मनाने की अपील की गई। नगर पालिका परिषद की तरफ से बैठक में प्रतिनिधि के रूप में शामिल रहे मृत्युंजय कुमार ने साफ-सफाई चूने का छिड़काव समेत विभिन्न मुद्दों पर लोगो से मिले सुझाव पर बेहतर ढंग से

व्यवस्था करने का आश्वासन दिया, इस बैठक में थाना क्षेत्र के विभिन्न ग्रामसभा के लोगों ने शामिल होकर अपनी समस्याओं से थाना प्रभारी को अवगत कराया। अपने संबोधन में थाना प्रभारी ने कहां की सरकार के गाइड लाइन के अनुसार ही त्यौहार मनाए असामाजिक तत्व समेत जो कोई भी माहौल बिगाड़ने का कार्य करेगा उसके साथ पुलिस सख्ती से पेश आएगी। बैठक में उपस्थित रहने वालों में इत्तेहादुल मुस्लिमीन कमेटी के सदर साकिर खान बबलू, भाजपा महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष श्वेता सिंह, ग्राम प्रधान इम्तियाज अंसारी, राम चंद्र भारती, सुभाष सोनकर,पंकज सोनकर, विभिन्न मंदिरों के पुजारी, ईदगाह के इमाम अंसार उल हक के प्रतिनिधि समेत अन्य पदाधिकारी, पुलिस उप निरीक्षक गण व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बीरापट्टी गांव के बच्चो ने अंतर्राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में जीता पदक बढ़ाया जिले का मान

प्रखर वाराणसी। बीरापट्टी वाराणसी के छोटे से गांव निकले बच्चो ने अंतर्राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में जीत हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है। बच्चों के गांव पहुंचने के बाद हर्षोल्लास से उनका सम्मान किया गया। गांव वालो ने जुलूस निकाला और माला पहनाकर उनका सम्मान किया । बतादे कि भूटान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में काशी के धरती से चार खिलाड़ियों ने बाजी मारी और स्वर्ण पदक जीता। पदक जीतने वाली मोनिका गौतम ने ईरान, अर्पणा सिंह ने मलेशिया , विशाल पटेल ने नेपाल और शीतल गौतम ने भूटान के खिलाड़ी को मात देकर पदक पर कब्जा जमाया। वही खिलाड़ियों को बधाई देने एवम स्वागत हेतु बिपिन पांडेय, अरविंद सिंह , प्रधान बीरापट्टी , जगदीश पटेल राजेश सिंह सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

प्रखर जौनपुर। मछलीशहर कोतवाली के मछलीशहर सुजानगंज मार्ग पर हरनहिया पुल पर एक अज्ञात वाहन बाईक सवार को टक्कर मार कर फरार हो गया। अज्ञात वाहन के धक्के से युवक की मौके पर मौत हो गई। पंवारा थाना क्षेत्र के गौहानी गांव निवासी कमलेश पाल 32 वर्ष पुत्र मेवालाल पाल नगर के सुजानगंज चौराहे पर कपड़े की दुकान चलाते थे। शनिवार रात रोज की भांति वह दुकान बंद कर बाईक से घर जा रहे थे। अभी वह मतरी बाजार के आगे हरनहिया पुल के पास पहुंचे थे कि एक अज्ञात वाहन ने उन्हें धक्का मार कर फरार हो गया। रात होने के कारण घटना कि जानकारी कुछ समय बाद अगल बगल के ग्रामीणों को हुई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को देते हुए एंबुलेंस की सहायता से सी एच सी भिजवाया। जहा चिकित्सक युवक की मौत होने की पुष्टि कर दी।

हम ऐसे धर्म के ध्वजवाहक हैं जिसमें सर्वे भवन्तु सुखिन सर्वे संतु निरामया का बीज मंत्र समाहित है : स्वामी अनंतानंद सरस्वती महाराज

प्रखर गाजीपुर (गौरीशंकर पाण्डेय सरस)। दुनियां का अगर कोई अति प्राचीनतम धर्म है तो वह है सनातन धर्म। जिसे मानवीय कुत्सित प्रयासों ने बल पूर्वक खंडित कर अनेकों धर्मो को प्रकाश में लाया। जो सर्वविदित और ध्रुव सत्य है। फिर भी सनातन धर्म के मूल का अंत नहीं हो सका। आज भी अपनी वैभवपूर्णता ऐश्वर्यता ओजस्विता और ज्ञानशक्ति का ध्वज निर्द्वन्द लक्ष्य के अंतिम शिखर पर फहरा रहा है।जिसकी पराकाष्ठा के महति प्रमुख सोपान सदाचार और संस्कार हमारे सनातन धर्म की ज्ञान शक्ति को बल प्रदान करते हैं। जिसके अंतःकरण में शांति सौहार्द प्रेम दया मानवीयता, परोपकार और राष्ट्रवादिता का महासागर हिलोरें मारता है।हम सनातन धर्म के लोग उस धर्म के ध्वजवाहक हैं जिस धर्म के मूल में सर्वे भवन्तु सुखिन सर्वे संतु निरामया सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मां कश्चिद दुःख भाग्भवेत का बीज मंत्र समाहित है। तथा जिसके उरस्थल से गुंजित स्वर मातृभूमि की बलि वेदी पर प्राणोत्सर्ग करने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। उक्त विचार राजगुरु मठ

शिवाला घाट के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर जगतगुरु शंकराचार्य दंडी स्वामी अनंतानंद सरस्वती महाराज ने गाजीपुर जनपद मुख्यालय से तीस किलोमीटर दूर दुल्लहपुर के देवा गांव स्थित दंडी स्वामी सहजानंद सरस्वती सामुदायिक मिलन केन्द्र पर चल रही महामृत्युंजय महायज्ञ के विश्राम काल में प्रेस से एक विशेष भेंटवार्ता में व्यक्त की। उन्होंने कहा की सनातन धर्म में तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं का जिक्र है। धर्म ग्रंथों में याज्ञिक कर्म पद्धतियों का भी उल्लेख है।सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय का उद्घोष है। यही तो हमारे सनातन धर्म की पहचान है। सनातन धर्म ने ही संपूर्ण संसार को शांति सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। जिसकी समृद्धि में हम सभी निःस्वार्थ भाव से और निष्णात कर्म से लगे हुए हैं। एक सवाल के जबाब में उन्होंने कहा कि देवताओं और राक्षसों के बीच छत्तीस का आंकड़ा पहले से ही चला आ रहा है। हमारे सनातन धर्म कर्म से खिन्न कुछ निंदक जीवात्माएं ईर्ष्या बस बाधाएं उत्पन्न करने का हर संभव प्रयास तो करती हैं परन्तु सफल नहीं हो पाती।

वाह रे मड़ियाहूं पुलिस तेरा कारनामा अजब, जब चोर को चोरी के आरोपी को बनाया गांजा तस्कर

1 किलो 100 ग्राम गाजा दिखाकर कर दिया चालान

प्रखर जौनपुर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र की मड़ियाहूं पुलिस अपनी पीठ थपथपा ने के लिए नए हथकंडे अपना रही है । वहीं चोरी के मामले में पकड़े गए चोरी के आरोपी युवक को गांजे में चालान कर दिया गया। पुलिस के उच्चाधिकारी जनता का भरोसा जीतने के लिए उनसे शालीनता पूर्वक व्यवहार व शिकायतों के निस्तारण में त्वरित कार्यवाही का निर्देश दे रहे हैं ।वही कुछ अधिकारी घटनाओं का अल्पीकरण या घटना कुछ और मुकदमा कुछ और दर्ज कर अधिकारियों की मंशा पर पानी फेर रहे हैं। बताया जाता है कि गुरुवार शाम को नगर स्थित राम जानकी मंदिर से सिकरारा थाना क्षेत्र के जमुआ गांव निवासी गोलू सिंह पुत्र संतोष सिंह मंदिर परिसर में चोरी

का प्रयास कर रहा था ।इसी दौरान उसे वहां मौजूद लोगों ने पकड़ कर मड़ियाहूं पुलिस को सौंप दिया। पुलिस युवक को बाइक से कोतवाली लेकर आई । जिसका सीसीटीवी फुटेज मौजूद है।शुक्रवार को मड़ियाहूं पुलिस ने जोगापुर नहर पुलिया के पास से 1 किलो 100 ग्राम गांजा के साथ युवक की गिरफ्तारी दिखा कर एनडीपीएस एक्ट में चालान कर दिया ।क्षेत्र में पुलिस का यह कारनामा चर्चा का विषय बना हुआ है । जब इस संबंध में क्षेत्राधिकारी चोब सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला हमारे संज्ञान में नहीं है ।यदि ऐसा है तो गलत हुआ है ।जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

गोतस्करी का गैंग लीडर तमंचे के साथ धराया

मोहम्मद अरशद

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। गोतस्करी का शातिर अपराधी रविवार को पुलिस के शिकंजे में आ गया। लेदरही पुलिया पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने मोटरसाइकिल के साथ बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। तलाशी में उसके पास से एक तमंचा बरामद हुआ है। आरोपित को आर्म एक्ट में चालान न्यायालय भेज दिया। वह गो तस्करी गैंग डी 93 का सदस्य बताया जाता है। एसएचओ राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गो तस्करों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को पुलिस क्षेत्र में मय हमराह पेट्रोलिंग पर थी। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस रविवार की सुबह लगभ छः बजे लेदरही पुलिया पर चेकिंग कर रही थी। एक संदिग्ध मोटरसाइकिल से आता दिखाई दिया। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो भागने लगा। टीम ने उसे दौड़ाकर बाइक समेत दबोच लिया। तलाशी में 315 बोर के तमंचा के साथ एक अदद कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में अपना नाम गुड्डू

पुत्र अली रजा निवासी लेदरही बताया। वह थाने का हिस्ट्रीशीटर के अलावा गोवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता, गैंगेस्टर, आर्म एक्ट समेत कई अन्य संगीन मामले में निरुद्ध है। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसएचओ राजेश कुमार यादव, उपनिरीक्षक सकलदीप सिंह, हेड कांस्टेबल राजकुमार यादव, नफीस अहमद सिद्दीकी, दिनेश यादव समेत अन्य पुलिस के जवान शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

बुद्ध विद्या विहार (सीडीएम) विद्यालय के नितेश गुप्ता का जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन हुआ

समाजसेवी ओमप्रकाश जायसवाल ने फोटो और पुरस्कार से सम्मानित किया

प्रखर कुशीनगर। कसया नगर के बुद्ध विद्या विहार (सी डी एम) विद्यालाय के एक बच्चे ने जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह के लिए हुई प्रवेश परीक्षा को पास किया है। बच्चे के चयन होने पर विद्यालय में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि विद्यालय के कक्षा पांच के नितेश गुप्ता ने नवोदय विद्यालय की परीक्षा पास कर कक्षा छह में प्रवेश के लिए स्थान पक्का किया है और अपने अध्यापकों, अभिभावकों व सभी मार्गदर्शकों का नाम रोशन किया है। नवोदय विद्यालय में कक्षा छह के लिए प्रवेश परीक्षा 29 अप्रैल को हुई थी। उन्होंने बताया कि नितेश गुप्ता के वहां के अन्य बच्चे भी पूर्व में नवोदय विद्यालय की परीक्षा पास कर पढ़ाई कर रहे हैं। नवोदय विद्यालय में नितेश गुप्ता को रविवार को समाजसेवी ओमप्रकाश जायसवाल ने वार्ड नंबर-25 गायत्रीपुरम में उसके घर पहुंचकर स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर गौरव सिंह, आराधना सिंह, रिंकी गुप्ता, दिनेश सिंह, रामदेनी सिंह आदि उपस्थित रहे।

सड़क निर्माण कंपनी की लापरवाही से स्टेट हाईवे पर लगता है घुटने भर पानी

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। वाराणसी शक्तिनगर मार्ग स्थित चित विश्राम तिराहे के पास सड़क निर्माण कंपनी की लापरवाही दुकानदारों समेत आने जाने वाले राहगीरों के लिए बना जी का जंजाल जरा सी बरसात होने पर घुटने भर पानी लग जाने के बाद प्रतिदिन आने जाने वाले बाइक सवार समेत अन्य लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। यह समस्या प्रति वर्ष बारिश के मौसम में देखने को मिलता है। अब तक कितने लोग गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं बावजूद इसके सड़क निर्माण कंपनी के अधिकारियों की नजर अब तक क्यों नहीं पड़ा सोचने का विषय है। पास के एक मशहूर मिष्ठान के संचालक रिंकू मोदनवाल ने बताया कि सड़क निर्माण के बाद टोल वसूलने एवं मरम्मत का कार्य देखने वाली एसीपी कंपनी के अधिकारियों समेत जिम्मेदार व्यक्तियों को इस समस्या से अवगत कराया गया बावजूद इसके यह लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं जिससे हम दुकानदारों समेत आसपास के लोगों का बरसात के पूरे 4 महीने तक तकलीफों का सामना करना पड़ता है। एवं बाइक सवार राहगीरों की जिंदगी हर वक्त खतरे में बनी रहती है।

विद्युत पोल के स्टे में उतर रहे करंट की चपेट में आकर भैंस की दर्दनाक मौत

प्रखर मिजार्पुर। अंतर्गत हलिया थाना क्षेत्र के बरी गांव में विद्युत पोल के स्टे मैं उतर रहे करंट की चपेट में आकर बरी गांव निवासी पशुपालक की भैंस की दर्दनाक मौत हो गई भैंस के पीछे पीछे चल रहा पशुपालक जब तक भैंस को विद्युत स्पर्श की चपेट से बचाने का प्रयास करता तब तक भैंस की मौत हो गई बरी गांव निवासी पशुपालक राम तीरथ यादव अपनी भैंस को छोड़ कर चराने के लिए लेकर जा रहे थे भैस जैसे ही बरी पेट्रोल पंप के पीछे बने तालाब के पास कोटे की दुकान के सामने लगे ट्रांसफार्मर के पास पहुंची उसी दौरान विद्युत पोल में लगे स्टे मे उतर रहे करंट की चपेट में आकर तड़पने लगी पीछे पीछे चल रहा पशुपालक जब तक कुछ समझ पाता और भैंस को करंट से बचाने का प्रयास करता तब तक भैंस की दर्दनाक मौत हो गई भैंस की करंट की चपेट में आकर मौत की सूचना पर मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई पशुपालक ने बताया कि भैंस पहली बाहर गाभिन थी और एक माह के अंदर बच्चा देने वाली थी पशुपालक ने बताया कि भैंस के मरने से लगभग 70 हजार रुपए का नुकसान हो गया सूचना पर पहुंचे ग्राम प्रधान विजय प्रकाश उर्फ बाबा ने घटना की सूचना क्षेत्रीय लेखपाल को देने के साथ ही पशु चिकित्सक को दीया जिससे कि भैंस का पोस्टमार्टम कराया जा सके और पशुपालक को सरकार द्वारा आर्थिक मदद मिल सके।

ग्रीष्मावकाश 02 जुलाई तक बढ़ाया गया

प्रखर जौनपुर। प्रदेश के बेसिक शिक्षा सचिव प्रताप सिंह बघेल द्वारा आदेश जारी किया गया। उन्होंने आदेशित किया कि 2 जुलाई तक विद्यालय की साफ सफाई व अन्य व्यवस्था दुरुस्त करा लिया जाये। इस संबंध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में स्थानांतरण की प्रक्रिया गतिमान है, जिसके लिए हाई कोर्ट का निर्देश है कि स्थानांतरण की प्रक्रिया ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान होना चाहिए। इसी वजह से प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए दुबारा ग्रीष्मावकाश बढ़ाने का आदेश सचिव द्वारा जारी किया गया है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं